दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः- 05
अंकः- 23
मुरादाबाद
14 May 2025
(Wednesday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सच्चा सशक्तीकरण मदद से होता है, मुफ्त चीजें बांटने से नहीं, रेवड़ी योजनाओं पर बोले उपराष्ट्रपति

मेघालय के स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ बातचीत में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि किसी व्यक्ति को मुफ्त चीजें देकर उसकी जेब भरना, सच्चा सशक्तीकरण नहीं है। सच्चा सशक्तीकरण वह है कि आप उस व्यक्ति का हाथ थाम लें ताकि वह व्यक्ति स्वयं सशक्त बन जाए।उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को रेवड़ी योजनाओं को लेकर सरकार पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सच्चा सशक्तीकरण मदद से होता है, मुफ्त चीजें और खैरात बांटने से नहीं। जब महिलाएं आगे आती हैं तो संतुलित आर्थिक विकास और सामाजिक वृद्धि होती है।मेघालय के स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के साथ बातचीत में उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति को मुफ्त चीजें देकर उसकी जेब भरना, सच्चा सशक्तीकरण नहीं है। सच्चा सशक्तीकरण वह है कि आप उस व्यक्ति का हाथ थाम लें ताकि वह व्यक्ति स्वयं सशक्त बन जाए। इससे खुशी मिलती है, संतुष्टि मिलती है, आपको आंतरिक शक्ति मिलती है और आपको अपने परिवार पर गर्व भी होता है।उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत का पूर्वोत्तर हमारा गहना है। 1990 के दशक में केंद्र सरकार की लुक ईस्ट नीति थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस नीति को एक अतिरिक्त आयाम दिया है - लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट। यह कार्रवाई भी बहुत प्रभावी ढंग से हुई है। मेघालय में पर्यटन, खनन, आईटी और सेवाओं के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।उन्होंने आर्थिक विकास और महिला सशक्तीकरण में राज्य की उपलब्धियों की सराहना की तथा इसका श्रेय केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने कहा कि यह दूरदर्शी नेतृत्व है जो अधिकारियों को सही दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। मेघालय की आर्थिक प्रगति की सराहना करते हुए धनखड़ ने कहा कि किसी राज्य की अर्थव्यवस्था सकल राज्य घरेलू उत्पाद से निर्धारित होती है। इसमें मेघालय में 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस दौरान मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पोलाची दुष्कर्म कांड में नौ लोगों को उम्रकैद, 50 से ज्यादा महिलाओं के साथ हुआ था दुष्कर्म

पोलाची दुष्कर्म कांड में मंगलवार को कोयंबटूर की महिला कोर्ट ने सभी नौ आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।तमिलनाडु की राजनीति में भूचाल पैदा करने वाले पोलाची दुष्कर्म कांड में मंगलवार को कोयंबटूर की महिला कोर्ट ने सभी नौ आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जज आर नंदिनी देवी ने दोषियों को गवाही देने वाली आठ महिलाओं को कुल 85 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। दोषी ठहराए गए नौ लोगों ने 2016 से 2018 के दौरान 50 से अधिक महिलाओं को अपना शिकार बनाया, जिनमें अधिकतर कॉलेज की छात्राएं थीं। दोषियों ने पीड़ित महिलाओं का वीडियो बनाया और उन्हें ब्लैकमेल कर उनके साथ कई बार दुष्कर्म, सामूहिक दुष्कर्म और उनका शोषण किया। हालांकि, इनमें से केवल आठ महिलाओं ने ही आरोपियों के खिलाफ गवाही दी। वर्ष 2019 में सबरीराजन, थिरुनावुकारसु, टी वसंत कुमार, एम सतीश, आर मणि, पी बाबू, एच पॉल, अरुलानंथम और अरुण कुमार को गिरफ्तार किया था, तब से ही सभी सलेम सेंट्रल जेल में बंद हैं। सजा सुनाए जाने के दौरान ये लोग कोर्ट में मौजूद थे। अरुलानन्थम अन्नाद्रमुक का पूर्व पदाधिकारी है, जिसे बाद में पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था।2019 में सामने आया पहला मामला-

भारत ने ट्रंप के दावे को नकारा, विदेश मंत्रालय बोला- ऑपरेशन सिंदूर के बाद व्यापार पर नहीं हुई कोई बात

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम को लेकर उठ रहे सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने संघर्ष विराम के लिए डीजीएमओ को फोन किया। संघर्ष विराम के बाद भी सिंधु जल संधि स्थगन बरकरार रहेगा। भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम को लेकर विदेश मंत्रालय ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता को लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा कि कश्मीर पर हमें मध्यस्थता मंजूर नहीं है। पाकिस्तान को पीओके खाली करना होगा। उन्होंने ट्रंप के दावे को नकारते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने की सहमति तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत हुई। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमारा लंबे समय से राष्ट्रीय रुख रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय रूप से हल करना होगा। इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। लंबित मामला पाकिस्तान द्वारा अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना है। उन्होंने कहा कि जैसा कि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पहले ही बताया है कि 10 मई को 15-35 बजे दोनों देशों के डीजीएमओ को फोन पर संघर्ष विराम को लेकर वार्ता हुई। इस वार्ता को लेकर विदेश मंत्रालय को 12.37 बजे पाकिस्तान उच्चायोग के जरिये सूचित किया गया। पाकिस्तान की आंतरिक तकनीकी दिक्कतों के चलते हॉटलाइन कनेक्ट होने में देरी हुई। भारत के डीजीएमओ की मौजूदगी के बाद दोपहर 3.35 बजे वार्ता हुई। भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान को गोलीबारी रोकने पर मजबूर किया। जैसा कि अन्य देशों से हुई वार्ता में भारत ने स्पष्ट संदेश दिया और जनता को भी यही कहा कि भारत ने आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमलों का जवाब दिया है। इसके बाद जब पाकिस्तानी सशस्त्र बलों ने फायरिंग की तो भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। उन्होंने कहा कि सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने की सहमति तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत हुई। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। उन्होंने कहा कि सीसीएस (सुरक्षा पर कैबिनेट समिति) के फैसले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया। सिंधु जल संधि सद्भावना और मित्रता की भावना से शुरू हुई थी, जैसा कि संधि की प्रस्तावना में निर्दिष्ट है। हालांकि, पाकिस्तान ने कई दशकों से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों को स्थगित रखा है। अब सीसीएस के फैसले के अनुसार कि भारत संधि को तब तक स्थगित रखेगा, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। कृपया ध्यान दें कि जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव और तकनीकी परिवर्तनों ने जमीन पर भी नई वास्तविकताओं को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तानी पक्ष द्वारा दिए गए बयान को देखा है। एक ऐसा देश जिसने औद्योगिक पैमाने पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया है, उसे यह सोचना चाहिए कि वह इसके परिणामों से बच सकता है, यह खुद को बेवकूफ बना रहा है। भारत द्वारा नष्ट किए गए आतंकवादी बुनियादी ढांचे न केवल भारतीयों की बल्कि दुनिया भर में कई अन्य निर्दोष लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार थे। अब एक नया नॉर्मल है। जितनी जल्दी पाकिस्तान इसे समझ लेगा, उतना ही बेहतर होगा।भारत की कार्रवाई के बाद बदल गए सुर पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार के बयान को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पिछले सप्ताह ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद और अन्य स्थानों पर अपने आतंकी केंद्रों को नष्ट होते देखा है। हमने उसकी सैन्य क्षमताओं को काफी हद तक कम कर दिया और प्रमुख एयरबेसों को प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर दिया। अगर पाकिस्तानी विदेश मंत्री इसे उपलब्धियों के रूप में पेश करना चाहते हैं, तो उनका स्वागत है। जहां तक भारत का सवाल है, हमारा रुख शुरू से ही स्पष्ट और सुसंगत था। उन्होंने कहा कि हम पाकिस्तान से संचालित होने वाले आतंकी ढांचे को निशाना बनाएंगे। अगर पाकिस्तानी सेना बाहर रहती, तो कोई समस्या नहीं होती। अगर वे हम पर गोलीबारी करते, तो हम उचित जवाब देते। नौ मई की रात तक पाकिस्तान भारत को बड़े हमले की धमकी दे रहा था। 10 मई की सुबह जब उनका प्रयास विफल हो गया और उन्हें भारत की ओर से विनाशकारी जवाबी कार्रवाई मिली, तो उनके सुर बदल गए और उनके डीजीएमओ ने आखिरकार हमसे संपर्क किया। जीत का दावा करना उनकी पुरानी आदत- 10 मई की सुबह पाकिस्तान की स्थिति बदल गई जब उसके एयरबेसों को प्रभावी रूप से कार्रवाई से बाहर कर दिया गया। आपको बस यह देखना है

मोदी सरकार ने गंवा दिया सावरकर के सपने को पूरा करने का मौका, शिवसेना BT का केंद्र पर निशाना

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब) ने ऑपरेशन सिंदूर रोकने को लेकर मोदी सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि इसने विनायक दामोदरकर सावरकर के अखंड भारत के सपने को साकार करने का मौका गंवा दिया गया। पार्टी ने यह भी कहा कि मोदी को अब सावरकर के नाम पर राजनीति करने का अधिकार नहीं है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने पाकिस्तान के खिलाफ %ऑपरेशन सिंदूर% को रोकने को लेकर नरेंद्र मोदी सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी ने कहा कि केंद्र ने सैन्य कार्रवाई को रोककर हिंदुत्व विचारक वी.डी.सावरकर के अखंड भारत के सपने को साकार करने का मौका गंवा दिया। पार्टी ने अपने मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा कि अगर यह सैन्य कार्रवाई चार दिन और जारी रहती तो भारतीय सशस्त्र बल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके), कराची, लाहौर पर कब्जा कर लेती, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खेल बिगाड़ दिया। सावरकर ने देखा था अविभाजित भारत का सपना अखबार ने कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने से पहले भआरत को कम से कम पीओके को वापस लेना चाहिए था और बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग कर देना चाहिए था। सावरकर ने पीओके से रामेश्वरम और सिंध से असम तक फैले अविभाजित भारत का सपना देखा था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार ने सावरकर के अखंड भारत के सपने को साकार करने का मौका गंवा दिया। %पीएम मोदी को सावरकर के नाम पर राजनीति करने का अधिकारी नहीं%% संपादकीय में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी को अब सावरकर के नाम पर राजनीति करने का अधिकार नहीं है। पीएम मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एकनाथ शिंद के नेतृत्व वाली शिवसेना सभी अखंड भारत के समर्थक हैं, लेकिन जब सपने को साकार करने का समय आया तो वे पीछे हट गए।पूर्ण युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे दोनों देश- भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई। चार दिनों तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमलों के बाद दोनों देश पूर्ण स्तर के युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट से सबको हैरान किया। इसमें उन्होंने दावा किया था कि दोनों पक्षों के बीच अमेरिका ने मध्यस्थता की है।

दिल्ली के बाद पंजाब में भी केजरीवाल पर भारी पड़ी शराब, खतरे में पंजाब मॉडल

दिल्ली के बाद पंजाब में भी आम आदमी पार्टी पर %शराब कांड% भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। शराब के काला बाजारियों ने पंजाब के मजीठा विधानसभा क्षेत्र में 50 लीटर मेथॉनॉल को डायल्यूट करके 120 लीटर नकली शराब बनाई। जिसके शिकार 17 लोग हो गए।दिल्ली के बाद पंजाब में भी आम आदमी पार्टी पर %शराब कांड% भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। दिल्ली में कथित तौर पर जो शराब घोटाला हुआ, उसने अरविंद केजरीवाल की छवि को गहरा नुकसान पहुंचाया। भाजपा ने इस मामले को जबरदस्त तरीके से उछाला और इसके सहारे वह दिल्ली की सत्ता तक पहुंच गई। इसके बाद अरविंद केजरीवाल पंजाब की राजनीति में सक्रिय हो गए। कहा यही जा रहा है कि वे पंजाब में नशे के विरुद्ध कार्रवाई का एक मॉडल खड़ा कर इसके सहारे पंजाब में पार्टी की पकड़ बरकरार रखना चाहते हैं। लेकिन बीती रात मजीठा में नकली शराब पीने से करीब 15 लोगों की हुई मौत से मामला पलट गया है। भाजपा-कांग्रेस ने एक सुर से अरविंद केजरीवाल के ऊपर आक्रमण कर दिया है और केजरीवाल पर दिल्ली का भ्रष्ट शराब मॉडल पंजाब में भी लागू करने का आरोप लगाया है। कहा जा रहा है कि शराब के काला बाजारियों ने पंजाब के मजीठा विधानसभा क्षेत्र में 50 लीटर मेथॉनॉल को डायल्यूट करके 120 लीटर नकली शराब बना दिया। इसके जहरीले असर से शराब पीने वालों की मौत हो गई। पूरे राज्य में इस शराब कांड का विरोध हो रहा है। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया ने अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। रात ही गिरफ्तार कर लिया है। पंजाब पुलिस की कार्रवाई के बाद भी इस कांड ने भाजपा-कांग्रेस को आम आदमी पार्टी के खिलाफ बड़ा राजनीतिक हमला करने का अवसर प्रदान कर दिया है। भाजपा नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को दिल्ली की जनता ने नकार दिया है, लेकिन अब वे अवैध तरीके से पंजाब के ऊपर शासन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल और सिसोदिया पंजाब में मंत्रियों-अधिकारियों की बैठकें ले रहे हैं और उन्हें दिशा निर्देश दे रहे हैं। जबकि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को कोई महत्त्व नहीं दिया जा रहा है। सिरसा ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी नेताओं ने पहले अपने शराब मॉडल से दिल्ली को खराब करने का काम किया था। वे पहले दिल्ली में जगह-जगह शराब की दुकानें खुलवा रहे थे। जब दिल्ली के लोगों ने केजरीवाल की इस राजनीति को नकार दिया तो अब वे पंजाब को भी उसी रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि, लेकिन पंजाब की जनता भी उन्हें नकार देगी। केजरीवाल की साख दांव पर- अरविंद केजरीवाल पंजाब में नशाखोरी के विरुद्ध बड़ा अभियान चला रहे थे।

संपादकीय Editorial

Every weakness of Pakistan should be attacked, India should tighten the noose on its poor economy

If we look at the 2024 data of the World Bank, India's GDP is close to 3.88 trillion dollars which is ten times more than the size of Pakistan's economy (0.37 trillion dollars). India has a foreign exchange reserve of 677 billion dollars while Pakistan has only 15.5 billion dollars and a part of that is also borrowed. Ever since India has taken action on the terrorist bases of Pakistan under 'Operation Sindoor', there is a state of panic in the stock market of Pakistan. India is making a strategy to defeat Pakistan on every front. India will have to choose a permanent and safe path in the war against terror. Always attack the weak point of the enemy. The real weakness of Pakistan is its economy. India should attack all such sources from where it gets even a little foreign currency. Just like the Board of Control for Cricket in India hurt Pakistan financially by not playing matches with it and not going there for the Champions Trophy, the Indian government should also make similar efforts. Today, there is a huge difference between the two countries that got independence at the same time. India is miles ahead of Pakistan on all parameters of the economy. According to the Food and Agriculture Organization of the United Nations, despite being the fifth most populous country in the world, Pakistan is ranked 41st in terms of the size of the economy. India being the most populous country, can soon overtake Germany in terms of the size of the economy and come to the third position, while Pakistan with a poor economy has become a hub of terrorism. If we look at the World Bank's 2024 data, India's GDP is close to 3.88 trillion dollars, which is ten times more than the size of Pakistan's economy (0.37 trillion dollars). India has a foreign exchange reserve of 677 billion dollars, while Pakistan has only 15.5 billion dollars and a part of that too is borrowed. The policy interest rate i.e. repo rate in Pakistan is currently 12 percent. The value of one dollar is equal to 280 Pakistani rupees. About two years ago, the World Bank had declared Pakistan as the weakest economy of South Asia. Pakistan's total debt has increased to about 70.36 lakh crore Pakistani rupees. That is, every Pakistani has an average debt of 2.34 lakh Pakistani rupees. According to international agency Fitch Ratings, Pakistan has to repay external debt of more than 2,200 crore dollars in the financial year 2024-25. Pakistan's economy is currently running almost completely on the International Monetary Fund. Pakistan is the fifth largest borrower of the IMF. China's Export-Import (Exim) Bank is hesitant to give it additional concessional loan. Now there is uncertainty on whether the next installment of loan will be received from the IMF or not. If Pakistan goes into the 'grey list' in the meeting of the Financial Action Task Force i.e. FATF, then it will become dependent on every penny. Ending all trade relations with Pakistan is the first step towards its destruction. Now India must make it extremely expensive for Pakistan to trade with other countries as well. Indian ports have been a vital logistical link for Pakistan's limited global trade routes. India has begun to impose a blanket ban on Pakistani ships at its ports. Pakistani ships previously relied on Indian ports for trans-shipment, refuelling and repairs. The denial of these services will now force them to take longer and more expensive routes via Oman or the United Arab Emirates. Stopping all trade with Pakistan will have minimal impact on India's economy, as Pakistan's share in India's total global trade is less than 0.06 per cent and Indian traders can easily sell their goods to other countries. According to the Global Trade Research Initiative, an economic research institute.

Implications of caste-wise census, expectations of society will be known

Caste is a complex social system whose form has been changing with time and place. It is difficult to say when the original system of four varnas based on karma turned into the tradition of birth-based caste, but the caste system has certainly gripped the Indian society and its thinking so badly that the attempt to overcome it could not be effective. This is a rare moment for Indian politics when both the ruling party and the opposition have come to a consensus. Both the parties have agreed on the issue of conducting the next census on the basis of caste in the country. The last time the caste census was conducted in the country was in the year 1931 by the British. This far-reaching decision is being presented by linking it with providing social justice and empowerment of the backward classes and all the parties are presenting their own claims to take credit for it. As an ancient institution of Indian society, there have been many versions of caste. Due to the evils associated with the caste system spread around the concept of purity and impurity, the modern vision has often expressed concern about it. All the leaders of the country have considered it divisive, exploitative and a major obstacle in the path of progress. Caste is a tradition of hierarchical social classification linked to birth. According to tradition, the caste system keeps creating a boundary of facilities and restrictions for that person. Caste, which creates social boundaries, has been a hindrance to social mobility, especially by limiting marital relations within the boundary of inter-caste. Caste ignores the personal qualities or behavior of a person and puts a burden of expectations on him, which he has to bear throughout his life. Caste is a complex social system, whose form has been changing with time and place. It is difficult to say when the original system of four varnas based on karma got molded into the tradition of birth-based caste, but the caste system has definitely gripped the Indian society and its thinking so badly that the attempt to overcome it could not be effective. Today a strange situation is arising in the country regarding caste consciousness. On the one hand, restrictions related to caste are being broken, while on the other hand, there is a frenzy to create a separate institution for each caste. People easily form their social identity by associating with caste and start feeling the extra energy that comes with caste membership. This tendency is getting stronger day by day. Today, the country is full of institutions formed in the name of castes and sub-castes. People are forming these institutions with pride and arrogance, whose alleged objective is the welfare of the members of that particular caste. Along with caste, a feeling of racial superiority is also seen in some communities. Locally formed caste associations, caste councils, caste armies or caste parties also do various works for the concerned community. Today, if there is no association of a caste, then that caste considers itself inferior and starts forming a community. In this way, both the tendencies opposing caste and supporting caste are growing simultaneously in Indian society today. Opposition and refutation of the institution of caste have been providing ideological basis for political and social thinking. Now caste is getting more and more associated with political goals rather than social conduct and ideology. It is a well-known fact that in general elections, parties select candidates keeping caste in mind. Caste affiliation fulfills a primitive social need. Politicians take advantage of this. In democracy, numbers are important. Therefore, today the game of caste equations is visible everywhere. In the area where a particular caste or sub-caste is in greater numbers, a candidate from that caste is fielded there, whether he is qualified or not. It is an obvious fact that giving prominence to caste and sub-caste in this way intensifies caste feelings. Politics based on caste as qualification is proving to be promoting only prejudice, discrimination and exploitation. It is also a truth that the bondage of caste is creating obstacles in the path of development for a large section of Indian society. In independent India, many steps have been taken to end the inhuman discrimination based on caste. Along with this, special facilities have been provided in the Constitution to provide relief to the communities exploited for generations and to give them equal opportunity to develop like others. Arrangements have been made for reservation in education and employment for them. There have been discussions and amendments from time to time regarding the eligibility for these facilities. In this sequence, categories of castes like Scheduled Caste and Other Backward Caste (OBC), Dalit, Mahadalit etc. were made and the necessary facilities for them have been determined. Now, after almost a century, the assessment of castes in India will be important from many perspectives. This will not only reveal the map of socio-cultural change, but will also reveal the expectations of the society. It will be beneficial to take the help of social scientists in this effort. For the development of all, it is necessary to properly identify those people who are poor, backward and deprived and are deprived of human facilities. It is hoped that for an inclusive society, whose members have active participation in the democratic process, this census will definitely prove fruitful.

New chapter of women empowerment, increasing participation of women in the economy

New era of women empowerment! Various government schemes like Mudra Yojana have promoted women-led businesses, thereby strengthening the economy. Women's participation in the MSME sector has increased, which is contributing significantly to employment generation and economic growth. This empowerment is also helpful in reducing poverty and inequality. According to a recent report by the State Bank of India, the Pradhan Mantri Mudra Yojana i.e. PMMY, launched by the Central Government in April 2015, has had an unprecedented impact on the lives of Indian women in the last decade. This report shows that the impact of the Mudra scheme has led to a significant increase in the credit flow of micro, small and medium enterprises (MSMEs). Keep in mind that the main objective of starting the Pradhan Mantri Mudra Yojana was to formalize microfinance loans and provide the facility of easy access to loans to marginalized people. In these ten years, the Mudra scheme has not only played its role in giving a strong foundation to India's economy, but has also written a new script of women empowerment. It is undeniable that the economy of any country cannot be strong unless half of its population participates in it. There is no doubt that in the last decade, a framework of strong government policies and schemes has been created in the country, which has not only strengthened the basic feature of India's economy i.e. cottage and small industries, but half of the country's population has also been oriented towards writing a new chapter of economic empowerment. The MSME sector not only accelerates the pace of economic development, but they are also important carriers of women empowerment. Pradhan Mantri Jan-Dhan Yojana, Pradhan Mantri Mudra Yojana, Startup India and Stand Up India are providing a strong framework to India's economy, due to which the MSME sector has emerged as the cornerstone of India's economic progress. In recent years, the share of MSME in the national economic output has increased from 28.6 percent in 2021-22 to 30.01 percent in 2022-23, which highlights its increasing role in the economy. Exports from MSMEs have also seen a substantial increase, rising from Rs 3.95 lakh crore in FY 2020-21 to Rs 12.39 lakh crore in 2024-25. Mudra Yojana has emerged as a lifeline for MSMEs. In a report released last year, the International Monetary Fund also confirmed that India's enabling policy environment for entrepreneurship through programs like PMMY is actively contributing to increasing self-employment through access to credit. Most importantly, the country's women's presence in MSMEs is increasing. The biggest factor in this is their easy access to credit. SBI reports show that the share of MSMEs in the total bank loan has increased from 15.8 percent in FY 2013-14 to about 20 percent in 2023-24. This expansion has enabled businesses in small towns and rural areas to access financial assistance, thereby empowering India's economy. Women make up 68 per cent of the total beneficiaries of the Mudra scheme, reflecting the important role of this scheme in promoting women-led industries across the country. Between FY 2015-16 and 2024-25, the disbursement amount of Pradhan Mantri Mudra Yojana per woman increased by 13 per cent year-on-year to Rs 62,679, while the incremental deposit amount per woman increased by 14 per cent year-on-year to Rs 95,269. Why are women-led enterprises seen as strong drivers of the economy? The answer to this is given by the World Economic Forum's report titled 'Advancing Gender Parity in Entrepreneurship Strategy for a More Equitable Future'. According to it, women-led businesses bring diverse perspectives, promote inclusive leadership and often provide innovative approaches to solving social and environmental problems. Women's economic independence not only accelerates development, but also reduces poverty and inequalities. Not only this, it also improves the nutrition, health and educational performance of children. Women spend a relatively higher share of their income on the upliftment of the family and community as compared to men. Even during the Covid period, women entrepreneurs continued to save through the PMMY scheme. This trend of saving helps in fulfilling the major economic goals of the country. The impact of women-led businesses on India's economy is increasing. Women entrepreneurs are not only accelerating economic growth, but are also increasing employment opportunities in various sectors. Women-led enterprises in India employ more than 27 million people, which is a clear evidence of their important role in job creation and overall economic development. According to a report by Bain & Company, there are about 1.57 crore women-run enterprises in India, which is 22 percent of the total entrepreneurship landscape. The number of women registered on the Udyam portal, which is about 19.5 percent behind the men, is automatically making it clear that women will lead India's economy in the times to come.

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित

हाईवे पर ई-रिक्शा न चलें इसको सुनिश्चित करें अधिकारी

मुरादाबाद - मण्डलायुक्त श्री आन्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता एवं डीआईजी श्री मुनिराज की उपस्थिति में आयुक्त सभागार में वर्ष 2025 की द्वितीय मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त एनएचएआई को हाईवे पर एवं साईनेज /इंडीकेटर लगवाने को करने के निर्देश दिऐ। उन्होंने दशा में हाईवे पर ई-रिक्शा न किया जाये। इसके साथ ही एवं हाईवे की रोड पर वाहन इसको अधिकारी सुनिश्चित करें। परियोजना निदेशक खराब केन को चैक करवाने, हाईवे पर एम्बलेंसो की ससमय ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक द्वारा मण्डल के समस्त जनपदों निर्धारित जनपद स्तरीय सड़क हेतु निर्देशित किया गया। संभाग संभागीय परिवहन अधिकारी दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु लिए निर्देशित किया गया। साथ लगाये दो पहिया वाहन चालकों कार्यवाही हेतु निर्देशित किया संबंध में मण्डलायुक्त द्वारा

ने परियोजना निदेशक उचित प्रकाश व्यवस्था हेतु संबंधित कार्यवाही कहा कि किसी भी चले इसको सुनिश्चित उन्होंने कहा कि शहर पार्क न होने पाये मण्डलायुक्त ने एनएचएआई को ब्रेथ एनलाइजर एवं उपलब्धता पर विशेष में मण्डलायुक्त/अध्यक्ष में मानक के अनुसार सुरक्षा की बैठकें कराने के समस्त सहायक (प्रवर्तन) को प्रभावी कार्यवाही के ही बिना हेलमेट के विरुद्ध चालान की गया। ब्लैक स्पॉट के सभी ब्लैक स्पॉट्स पर अल्पकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के साथ-साथ दीर्घकालिक सुधारात्मक कार्यवाही के निर्देश दिये गये, जिसमें मार्किंग, रोड साइनेज, स्पीड टेबल पर मार्किंग आदि हेतु निर्देशित किया गया। सोलेशियम स्कीम के अन्तर्गत मिलने वाली सहायता के संबंध में अवशेष प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि मानक के अनुसार निर्धारित जिला विद्यालय यान परिवहन सुरक्षा समिति की बैठकें करायी जायें। इसके अतिरिक्त मण्डलायुक्त द्वारा दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत एनएचएआई एवं पीडब्ल्यूडी को मण्डल के समस्त मुख्य मार्गो पर क्रेन व एम्बुलेंस की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये। दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु रोड किनारे जहां-जहां अतिक्रमण है उसे तत्काल हटाने हेतु निर्देशित किया गया। मण्डलायुक्त ने संबंधित अधिकारी को सभी ब्लैक स्पॉट्स पर साईनेज, रिफलेक्टर, रम्बल स्ट्रिव, लिंकर लगाने हेतु निर्देशित किया। इसके साथ ही उन्होंने दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के दृष्टिगत समी ब्लैक स्पाट्स पर लाईटिंग की व्यवस्था अतिशीघ्र कराने के निर्देश दिए। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) संभल एवं सी0ओ0 (टैऊफिक) संभल को निर्देशित किया गया कि आपस में सामन्जस्य स्थापित करते हुए जनपद के विमिन्न मागों पर कृपया धीरे चलें, दुर्घटना संभावित क्षेत्र आदि संबंधित बोर्ड लगवाना सुनिश्चित करें। मण्डलायुक्त द्वारा सड़क दुर्घटनाओं की संख्या, मृतकों की संख्या एवं घायलों की संख्या में कमी लाने हेतु मण्डल के समी जिलों में प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। जनपद मुरादाबाद में सोलेशियम स्कीम के अधिक प्रकरण लंबित होने के कारण सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मुरादाबाद को तत्काल प्रकरण निस्तारण तथा मण्डल के अन्य समस्त जिलों को भी लंबित प्रकरणों के निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया। प्रवर्तन एवं सड़क सुरक्षा के विभिन्न अभियोगों में पुलिस विभाग द्वारा सस्पेंड करने हेतु प्रेषित किये गये ड्राइविंग लाइसेंसों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही कराने के निर्देश दिये गये। साथ ही जिन जनपदों में पुलिस विभाग द्वारा प्रवर्तन /सड़क सुरक्षा के विभिन्न अभियोगों में ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड हेतु प्रेषत नहीं किये गये हैं, उनको तत्काल प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया गया। सड़क सुरक्षा के विभिन्न अभियोगों यथा-बिना सीट बेल्ट/हेलमेट वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग, ड्रंकन ड्राइविंग, रॉन्ग साईड ड्राइविंग आदि में प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही के निर्देश दिये गये। मण्डलायुक्त द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता के अभियान को जनमानस तक पहुंचाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम सभाओं का आयोजन कराने एवं मण्डल के समस्त ब्लैक स्पॉट्स पर सुधारात्मक कार्यवाही हेतु पूर्व में भेजे गये प्रस्तावों के संबंध में पुनः प्रस्ताव/रिमाइण्डर प्रेषित करने के निर्देश दिये गये। अनाधिकृत/अवैध संचालित ई-रिक्शाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु सभी जनपदों में थानेवार अभियान चलाने के निर्देश दिये गये। कैंच की पुलिया ब्लैक स्पॉट पर बढ़ रही दुर्घटनाओं के दृष्टिगत रम्बल स्ट्रिप लगाने के निर्देश दिये गये। दलपतपुर टोल प्लाजा, चन्दौसी कट, सिहोराबाजे, छपरा मोड़, मनकरा मोड़, भदासना कट उक्त सभी ब्लैक स्पॉट्स पर अतिशीघ्र फ्लाईओवर का निर्माण करने हेतु एनएचआई के संबंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया। बैठक में श्री अनुज कुमार सिंह जिलाधिकारी मुरादाबाद, श्री सतपाल अंतिल वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद, श्री दिव्यांशु पटेल नगर आयुक्त, मुरादाबाद, श्री सर्वेश कुमार गुप्ता अपर आयुक्त (प्रशासन) मुरादाबाद, श्री अनुभव सिंह वीसी (एमडीए) मुरादाबाद, श्री अतुल कुमार, अपर नगर आयुक्त मुरादाबाद नगर निगम, श्री सुभाष गंगवार पुलिस अधीक्षक (यातायात) मुरादाबाद, श्री प्रणव झा संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मुरादाबाद, श्री आनन्द निर्मल सहायक संभारगीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) मुरादाबाद, श्री महेश कुमार सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अमरोहा, श्री गौरी शंकर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) बिजनौर, श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) रामपुर, श्री प्रवेश कुमार सरोज, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) संभल श्रीमती राजवती, एआरएम मुरादाबाद, श्री विनोद पाण्डेय, पंचायती मुरादाबाद आदि के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जनपद में 16 मई 2025 को मनाया जायेगा राष्ट्रीय डेंगू दिवस

10वें राष्ट्रीय डेंगू दिवस की थीम - ष्ट॥श्वष्ट्च ,ष्टस्र्श्वह,ष्टह्वङ्कश्वक्र~ स्ज्ञश्वक्क ञ्जह्र ष्ठश्वस्नश्वड्डञ्ज ष्ठश्वह्लश्व(देखे, साफ करें, ढ़के: डेंगू को हराने के उपाये करे) जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने बताया कि वर्ष 2016 से प्रतिवर्ष 16 मई 2025 को 卐राष्ट्रीय डेंगू दिवस卐 के रुप में मनाया जाता है, जिससे कि मानसून से पूर्व रोग निवारक गतिविधियों को तेज किया जा सके। स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने वाले बहु-क्षेत्रीय दृष्टिकोण कई देशों में डेंगू नियंत्रण में प्रभावी साबित हुए हैं। इसलिए डेंगू लार्वा (एडीज) के प्रजनन को कम करने और संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए स्थानीय अधिकारियों एवं समुदायों की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है। भारत सरकार के निर्देशानुसार इस वर्ष 10वें राष्ट्रीय डेंगू दिवस को (देखें, साफ करें, ढके: डेंगू को हराने के उपाये करें) की थीम के रुप में मनाया जायेगा। इसका उद्देश्य डेंगू/चिकनगुनिया रोग के रोकथाम व नियंत्रण हेतु स्वास्थ्य कर्मियों, विद्यार्थियों एवं जनसामान्य को संवेदीकृत करना है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास कार्यों एवं सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित

आईजीआरएस शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर नियमित फीडबैक भी अवश्य लें अधिकारी लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करें अधिकारी जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन के बापू सभागार में विकास कार्यों एवं सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने विभागवार विकास योजनाओं की प्रगति से संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने उपस्थित सभी अधिकारियों को लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एम0ओ0यू0 मानीटरिंग के संबंध में चर्चा की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने जीएमडीआईसी को उचित कार्यवाही कर पेंडेसियों को निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस को सभी अधिकारीगण ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें और नियमित रुप से शिकायत कर्ता से संपर्क स्थापित करके फीडबैक अवश्य लें। उन्होंने विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी को बिजली बिल संशोधन, ससमय बिल उपलब्ध करवाने संबंधी इत्यादि समस्याओं के निस्तारण हेतु क्रियाशील होकर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने समाज कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को छात्रवृत्ति संबंधी पेंडेसियों को दूर करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में पीएम आवास योजना शहरी, पीएम आवास योजना ग्रामीण, स्मार्ट सिटी मिशन, सेतुओं का निर्माण, सड़को का अनुरक्षण, मानव संपदा योजना, स्वच्छ भारत मिशन, सड़कों का निर्माण, पोषण अभियान, ऑपरेशन कायाकल्प, पीएम फसल बीमा योजना, दुग्ध विकास, कन्या विवाह सहायता योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, पारिवारिक लाभ योजना सहित अन्य योजनाओं की प्रगति के संबंध में चर्चा की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारी को यथोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने पीएम सूर्यघर योजना की प्रगति के संबंध में विद्युत विभाग के संबंधित अधिकारी को भी क्रियाशील होकर कार्य करने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन योजना के अन्तर्गत उन्होंने एक्सईएन ग्रामीण जल निगम को त्वरित कार्यवाही कर शत प्रतिशत पानी की सप्लाई शुरु करवाने हेतु निर्देशित किया। एक्सईएन पीडब्ल्यूडी को सड़को के निर्माण, मरम्मत एवं अनुरक्षण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने औषधि निरीक्षक को जनपद में नकली दवाईयां के विक्रय से संबंधित कठोर कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने जिला कार्यक्रम अधिकारी को आंगनवाडी केन्द्रों पर उपस्थित बच्चों को सर्वांगीर्ण विकास से संबंधित व्यवस्थाओं को दुरस्त रखने हेतु निर्देशित किया और कहा कि बच्चों की प्री स्कूल शिक्षा पर भी विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्रीमती ममता मालवीय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द, डीडीओ श्री जीबी पाठक, पीडीडीआरडीए, जिला अर्थ संख्याधिकारी मो0 परवेज सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

गो तस्करों से पुलिस की मुठभेड़, एक के पैर में लगी गोली, दूसरा फरार

मुरादाबाद- जिले के मैनाठेर थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात लगभग ढाई बजे बाइक सवार दो गो तस्करों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस ने एक गो तस्कर के पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। जबकि दूसरा फरार हो गया। घायल गो तस्कर को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। थाना मैनाठेर पुलिस बीती रविवार की रात लगभग ढाई बजे लालपुर गंगवारी के जंगल में चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस को एक बाइक आती दिखी, उसे रुकने का इशारा किया तो चालक ने बाइक दौड़ा दी। घेराबंदी करने पर गो तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक गो तस्कर के पैर में गोली लगी। जबकि दूसरा जंगल की तरफ भाग गया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि आरोपी शानू उर्फ शहनवाज निवासी यूसुफपुर नगलिया थाना पाकबड़ा निवासी है। वह अपने साथी के गोकशी करने के इरादे से निकला था। इसके पास से बाइक, तमंचा, कारतूस और गोकशी के उपकरण बरामद किए है। उन्होंने बताया कि फरार गो तस्कर की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एक माह से लापता महिला का शव घर से बरामद, पति निकला हत्यारा

मुरादाबाद- मझोला थाना क्षेत्र के टीपीनगर चौकी इलाके में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक माह से लापता महिला तबस्सुम का शव उसी के घर से बरामद हुआ है। पुलिस ने इस मामले में महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने पूछताछ में हत्या की बात कबूल ली है।मझोला थाना क्षेत्र के टीपीनगर चौकी इलाके में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। एक माह से लापता महिला तबस्सुम का शव उसी के घर से बरामद हुआ है। पुलिस ने इस मामले में महिला के पति को गिरफ्तार कर लिया है, जिसने पूछताछ में हत्या की बात कबूल ली है।बताया जा रहा है कि तबस्सुम की मां ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में जुटी थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल रहा था। आखिरकार सोमवार देर रात पुलिस को तब सफलता मिली जब आरोपी पति की निशानदेही पर महिला का शव घर के भीतर से ही बरामद किया गया। प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है, जिसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हो सकेगी। पुलिस का कहना है कि आरोपी ने 12 अप्रैल को इस वारदात को अंजाम दिया था। फिलहाल पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है और जल्द ही इस मामले में और खुलासे होने की उम्मीद है।

शादी का सपना दिखाकर नर्स से किया दुष्कर्म, स्कूटी समेत लाखों भी हड़पे

मुरादाबाद- नर्स को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में पटवाई पुलिस ने युवक सहित छह लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जिसमें पैसे और स्कूटी हड़पने का आरोप लगाया है।पटवाई थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती का कहना था

कि वह एक निजी अस्पताल में नर्स है। रिश्तेदारी के चलते उसकी जान पहचान भोट थाना क्षेत्र के रहने वाले एक युवक श्रीराम से हो गई थी। जहां युवक ने जान पहचान का फायदा उठाकर युवती को प्रेम जाल में फंसा लिया था। उसके बाद शादी का झांसा देकर उसके साथ पांच साल तक संबंध बनाए थे।

साथ ही शादी का आश्वासन भी दिया। युवक उसे अपने घरवालों से भी मिलवाता और शारीरिक दुष्कर्म करता रहा था। युवती का आरोप था कि युवक ने प्रेम जाल में फंसाकर उसकी सैलरी के पांच लाख रुपये और एक प्लेजर स्कूटी भी हड़प ली थी। एसपी के आदेश पर पुलिस ने आरोपी श्रीराम, फूलवती, अमर सिह, महेश, सुमन, गायत्री के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती, यह हमेशा सफलता का आधार बनती है।

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती, यह हमेशा सफलता का आधार बनती है। उक्त कथन को चरित्रार्थ करते हुए सी. बी. एस. ई. द्वारा कक्षा 12 के घोषित परीक्षा परिणाम में सेंट. आर. सी. कान्वेंट स्कूल शामली के मेधावी छात्र अर्जव जैन 97% , वरुण तोमर 96.6% , अक्षित मलिक 94.6% , प्रियांशी गर्ग 94.4% , अर्णव शर्मा 93.2% , लविश 93% , ओजस्वी 91.8% , हर्ष चौधरी 90.6% , सनिका 90.2%, अंश गोयल ने 87% , आर्यवीर 86.8% , अखिल 86.8% , आयुष 86.4% अंक प्राप्त कर अपने स्कूल व अभिभावकों का नाम रोशन किया। वहीं अर्जव जैन ने अकाउंटेंसी में 100 नंबर प्राप्त किए, हर्ष चौधरी व वरुण तोमर ने मैथमेटिक्स में 100 नंबर प्राप्त किए, अर्जव जैन, शुभ कुमार, वंशिका चौधरी, गोरी, लविश चौधरी, प्रतिभा, प्रियांशी चौधरी और आयुष ने पेंटिंग में 100 नंबर प्राप्त किए।कक्षा दसवीं में अंशिका ने 96.6 % , अर्पित 92.2% , प्रियांशु 91.8% , प्रियांशी 90.2% , गौरी 90% अंक प्राप्त कर अपने स्कूल व अभिभावकों का नाम रोशन किया। वहीं स्कूल की प्रधानाचार्या श्रीमती उज्मा जैदी व स्कूल के अध्यापकों ने इन सभी विद्यार्थियों की इस महान सफलता पर उन्हें ढोल बजाकर एवं मिठाई खिलाकर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय सफलता प्राप्त करने की प्रथम सीढ़ी है और विद्यालय जीवन से ही विद्यार्थियों में सफलता प्राप्त करने की लगन एवं प्रेरणा अपने अध्यापकों से समय-समय पर मिलती रहती है। स्कूल के अन्य सभी विद्यार्थियों को इन सब होनहार विद्यार्थियों की सफलता से प्रेरणा लेकर अपने आपको अभी से सफलता प्राप्त करने की ओर अग्रसर रहने की प्रेरणा लेनी चाहिए क्योंकि शिक्षा ही सबसे शक्तिशाली हथियार है जिसका उपयोग हम दुनिया में और अपनेभाग्य को बदलने के लिए कर सकते हैं । सफलता प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय के अध्यापकों एवं अभिभावकों के सतत प्रयास एवं प्रेरणा को बताया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के दौरान अध्यापकों ने हमारे अंदर छिपी प्रतिभा को पहचानकर हमारे जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते रहे जिससे हमारे अंदर लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा जागृत हुई और हमें लक्ष्य को प्राप्त करने में सफलता मिली। इस अवसर पर स्कूल के सभी अध्यापकों ने भी इन सभी होनहार विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनकी इस सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की

मजदूरों ने वेतन बढ़ाने की मांग डीएम से धरने पर बैठने की मांगी परमिशन

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

बरेली । किला क्षेत्र के स्वाले नगर स्थित एक एक्सपोर्ट फैक्ट्री में पिछले 20 वर्षों से कार्यरत मज़दूरों ने कहा कि हमने वेतन वृद्धि और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर फैक्ट्री मालिक सुधीर आनंद के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। श्रमिकों का आरोप है कि जब उन्होंने 8 मई को अपने हक की बात की तो मालिक ने मना कर दिया और नौकरी छोड़ने तक की धमकी दे डाली। पीड़ित मज़दूरों का कहना है कि फैक्ट्री से मिलने वाला वेतन ही उनके परिवार के पालन-पोषण का एकमात्र सहारा है, लेकिन पिछले कई वर्षों से वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई। लगातार मेहनत और वफादारी के बावजूद उन्हें नज़र अंदाज़ किया जा रहा है इस मुद्दे को लेकर श्रमिकों ने जिलाधिकारी बरेली को भी प्रार्थना पत्र सौंपा था, लेकिन 8 मई को दिए गए पत्र के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। अब मजबूर होकर मज़दूरों ने फैक्ट्री के मुख्य द्वार पर टैंट लगाकर शांतिपूर्ण अनशन और धरना करने का निर्णय लिया है। उन्होंने नगर मजिस्ट्रेट से इसके लिए विधिवत अनुमति भी मांगी है। फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शन की तैयारी पूरी हो चुकी है और मजदूर अब पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। कलेक्ट्रेट पहुंचे महेश कुमार , किशोर सिंह , टिंकू सिंह , प्रदीप सिंह अंकुर आदि मौजूद रहे।

परीक्षा परिणाम देख छात्र ब छात्राओं के खिल उठे चेहरे, 12वीं में स्तुति और यशस्वी के 99.6 प्रतिशत अंक रहे

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड) की ओर से 12वीं की परीक्षा का परिणाम मंगलवार दोपहर को घोषित कर दिया गया। बरेली में 12वीं में दिल्ली पब्लिक स्कूल की स्तुति वर्मा व यशस्वी कुमार ने 99.6 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। जीआरएम डोहरा रोड ब्रांच के केशव भाटिया ने 99.4 प्रतिशत अंक हासिल किए। वहीं माधव राव सिंधिया स्कूल की पावनी के 97.6 प्रतिशत अंक आए हैं। मेधावी विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और अभिभावकों को दिया है। जिले में सीबीएसई के 85 स्कूल हैं। 10 वीं के लिए 8612 और 12वीं के लिए 6606 विद्यार्थी पंजीकृत थे। 22 केंद्रों पर परीक्षा हुई थी। मंगलवार को अचानक परीक्षा परिणाम की घोषणा की गई। छात्र-छात्राओं को जानकारी हुई तो उन्होंने अपना रिजल्ट देखा। परीक्षा परिणाम आशा के अनुरूप आने पर विद्यार्थियों के चेहरे खिल गए। माता-पिता के साथ मित्रों ने भी सफलता पर बधाई दी। स्कूल में छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। 10वीं में यशिका ने प्राप्त किए 99 प्रतिशत अंक बहेड़ी के मंडनपुर स्थित मिशन एकेडमी स्कूल की छात्रा यशिका गंगवार 99 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। वहीं नैनीताल रोड स्थित जीआरएम की छात्रा अद्रिका सक्सेना ने 10वीं की परीक्षा में 98.4 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। अद्रिका ने कहा कि उन्होंने कोचिंग नहीं की। स्कूल में पढ़ाई के साथ सेल्फ स्टडी की। वह 12वीं करने के बाद इंजीनियर बनना चाहती हैं।

बिजली चोरों में सपा नेता भी शामिल , सभी पर एफआईआर

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

बरेली । सपा नेता के यहां 7.6 किलोवॉट की बिजली चोरी पकड़ी गई है। वहीं विद्युत निगम ने भी इसको सोमवार को अभियान के दौरान पकड़ी गई सबसे बड़ी चोरी बताया है। यह मामला फरीदपुर के ऊंचा गांव में रहने वाले सपा जिला उपाध्यक्ष लिटिल के घर का है। जहां पर वह अपने भाई सबीउद्दीन के साथ रहते हैं। टीम ने घर के कनेक्शन से दुकानों में सप्लाई और एसी के लिए कटिया पकड़ी है। धिशासी अभियंता विपुल कुमार जैन के मुताबिक सपा जिला उपाध्यक्ष के यहां कटिया डालकर एसी चलाये जा रहे थे। इतना ही नहीं, दुकानों के कनेक्शन के लिए घरों के मीटर से बिजली दी जा रही थी। आकलन करने पर 7.626 किलोवॉट की बिजली चोरी सामने आई है।

कलेक्ट्रेट सभागार में सी एम डैशबोर्ड की बैठक हुई सम्पन्न

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

बैठक में बी, सी, डी व ई रैंक वाले विभागों, योजनाओं व निर्माण कार्यों की विस्तार से समीक्षा की और कारणों को जान कर उनके निस्तारण के सम्बन्ध में दिए आवश्यक निर्देश बरेली 13 मई। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में आज सी.एम डैश बोर्ड की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि इस समय हमारी स्थिति विकास कार्यों में धीमी चल रही है, जिस कारण हमारी रैंकिंग प्रभावित हो रही है जो कि अच्छी बात नही है। जिलाधिकारी ने कहा कि सी.एम डैश बोर्ड की निगरानी लगातार शासन स्तर से की जा रही है तथा ग्रेडिंग भी वहीं से प्राप्त होती है। अतः डैश बोर्ड को प्रभावित करने वाली समस्त योजनाओं में अच्छी प्रगति बनाये रखना जरूरी है। बैठक में समीक्षा के दौरान पाया गया कि मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण में जनपद सी रैंक में है, जिस पर उन्होंने परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. को निर्देश दिये कि इसे लक्ष्य के सापेक्ष कार्य में गति लायी जाये। इसी प्रकार पाया गया कि पी.एम सूर्यघर योजना में जनपद की स्थिति अच्छी नही चल रही है, जिस पर पी.ओ नेडा को निर्देश दिये गये कि इसमें शीघ्र सुधार लाया जाये। नई सड़कों के निर्माण कार्य में भी अपेक्षित गति लाने के निर्देश अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को दिये गये। बैठक में दुग्ध विकास अधिकारी के अनुपस्थित पाये जाने पर उनके विरूद्ध कार्यवाही के निर्देश दिये गये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश, परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए. चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अजय कुमार श्रीवास्तव, बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय सिंह, सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

खुशखबरी राशन कार्ड धारकों को अब एक साथ मिलेगा, तीन महीने का फ्री राशन

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। राशन कार्ड धारकों के लिए राहत वाली खबर है। उन्हें मुफ्त राशन वितरण के साथ ही राशन कार्ड धारकों को एक बड़ी राहत दी जा रही है। अब उन्हें 3 महीने का अनाज एक साथ एक ही महीने में दिया जाएगा। खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है कि राज्य अगस्त 2025 तक के खाद्यान्न का उठाव 30 मई जाए।मानसून को देखते ऐसे में राशन कार्ड धारकों कम नहीं है। उप दी गई है। बिहार के किया गया है। जिसमें स्पष्ट और केंद्र शासित प्रदेशों को लिए आवंटित किए जाने वाले तक पूरा कर लिया हुए ऐसा निर्णय लिया गया है। के लिए यह किसी राहत से मुख्यमंत्री द्वारा इसकी जानकारी उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार ने आने वाले मानसून को देखते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत दिए जाने वाले खाद्यान्न के अग्रिम उठाव और लाभार्थियों में वितरण की अनुमति दी है। खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग की ओर से आदेश जारी किया गया है। जिसमें स्पष्ट किया गया है कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को अगस्त 2025 तक के लिए आवंटित किए जाने वाले खाद्यान्न का उठाव 30 मई तक पूरा कर लिया जाए। बिहार खाद एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में राशन कार्ड से आधार को लिंक करने के लिए समय सीमा को 30 जून तक बढ़ा दिया है। ऐसे में राशन कार्ड धारक 30 तारीख तक आधार सीडिंग का कार्य पूरा करें वरना उनके नाम राशन कार्ड से विलुप्त किया जा सकते हैं।

ग्राम पंचायत वार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सूची उपलब्ध कराए आईसीडीएस विभाग

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

जिलाधिकारी अवनीश राय के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी प्रशासन अरुण कुमार ने कहा कि हर पात्र को राशन समय से उपलब्ध हो जाना चाहिए। उन्होंने आईसीडीएस विभाग के अधिकारियों को ग्राम पंचायतवार आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की सूची उपलब्ध कराने के लिए कहा। मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आहूत बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने ई-केवाईसी के कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा। उन्होंने मध्यान्ह भोजन व आईसीडीएस से संबंधित बिंदुओं के संबंध में संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला पूर्ति अधिकारी रमन मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में अंत्योदय कार्ड धारकों व पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों का माह मई 2025 तक का राशन का वितरण नि:शुल्क कराया जा रहा है, जो कि 60 प्रतिशत पूर्ण हो गया है, शेष वितरण भी जल्द पूर्ण करा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि जून, जुलाई व अगस्त के राशन के उठान व वितरण के लिए रूपरेखा तैयार कर ली गई है। उन्होंने बताया कि जनपद में कार्ड धारकों का आधार सीडिंग व फीडिंग का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। वर्तमान में सभी कार्ड धारकों को ई-पॉस व ई-वेइंग मशीन के माध्यम से राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह दोनों मशीनें सभी राशन की दुकानों पर उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि ई-केवाईसी के कार्यों में जनपद में 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। राज्य औसत 81 से 82 प्रतिशत है, यह कार्य 30 जून 2025 तक पूर्ण किया जाना है, जिसमें परिवार के सभी सदस्यों का ई-केवाईसी कराया जाना है। उन्होंने राशन की रिक्त दुकानों को आवंटित किए जाने के सम्बंध में जानकारी दी। इस अवसर पर समिति के सदस्य तथा आयुक्त बरेली मंडल बरेली द्वारा नामित सदस्य व उनके प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली में चढ़ा पारा, तापमान 45 डिग्री तक पहुचने के आसार,हीट वेव चलने का अलर्ट

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। जेठ माह के पहले ही दिन की शुरुआत जबरदस्त गर्मी और चिलचिलाती धूप के साथ हुआ। लगता है कि महीने की शुरुआत से आगे भी लोगों को तपती गर्मी झेलनी पड़ेगी। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में पारा तेजी से चढ़ने की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के मुताबिक 15 जून के बाद मानसून का आगमन होगा, इससे पहले तक गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। विगत दिवस भी भीषण गर्मी से लोग बेहाल हो गए। दिन में तेज गर्म हवाएं भी चलीं। वहीं बीती रात में भी लोग गर्मी से बेहाल हुए। जिले में अधिकतम तापमान सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम 37.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 1.3 डिग्री सेल्सियस अधिक 26.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान हवा में नमी सुबह 57 प्रतिशत और शाम को 29 प्रतिशत दर्ज की गई। ,आंचलिक मौसम केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार से पारे में बढ़ोत्तरी शुरू होगी जो 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। बुधवार को तीन डिग्री की और बढ़ोतरी के साथ 43 डिग्री और गुरुवार और शुक्रवार को पारा 45 डिग्री पहुंचने का पूर्वानुमान है। इन दोनों दिन हीट वेव चलने का अलर्ट है। इस दौरान रात का तापमान भी चार डिग्री तक बढ़ सकता है। इसके बाद शनिवार और रविवार को बारिश होने का पूर्वानुमान है, इससे पारे में कुछ गिरावट होगी।

दंगाई का मास्टरमाइंड हिरासत में, अन्य आरोपी पुलिस की गिरफ्त से अभी भी बाहर

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

बरेली। थाना किला क्षेत्र के कुंवरपुर इलाके में रविवार रात हुए बवाल में पुलिस के हाथ 40 घंटे बाद भी खाली हैं। मास्टरमाइंड प्रदीप सक्सेना को पुलिस ने घटना के बाद मौके से ही पकड़ लिया था। उसके दामाद समेत बाकी आरोपी भूमिगत हो गए हैं और पुलिस के हाथ नहीं आ रहे हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। रविवार आधी रात में कुंवरपुर में प्रवीन सक्सेना ने अपने दामाद छोटू के साथ मिलकर महेश यादव, भानू सक्सेना व राजकुमार कनौजिया के घर पर पथराव कर दिया था। जमकर ईंट पत्थर बरसाए गए थे। इसमें महेश यादव, और उनका बेटा गौरव यादव घायल हो गए थे। हवाई फायरिंग भी की गई थी। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया था। इस मामले में पुलिस ने लगभग 35 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। मुखबिर ने धमकाया था- मेरी जेब में है पुलिस राजेंद्र कन्नौजिया के मुताबिक मनीष कन्नौजिया से प्रवीन का विवाद है। प्रवीन को शक था कि वह बिरादरी की वजह से मनीष की मदद कर रहे हैं, जबकि ऐसा नहीं है। इसलिए प्रवीन के साथियों ने उनके घर पर भी हमला किया। महेश यादव ने बताया कि दिखावे को प्रवीन बिजली मीटर की रीडिंग करता है, लेकिन वह पुलिस का मुखबिर भी है। उसने जाते वक्त धमकी दी थी कि पुलिस उसकी जेब में रहती है। घटना के वक्त महिलाओं और बच्चों ने डर की वजह से खुद को घरों में बंद कर लिया था।

रिठौरा में चला संघन चेकिंग अभियान पुलिस रही ऑनलाइन

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

रिठौरा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के आदेश पर

मंगलवार को नगर के विभिन्न चौराहों,पर चोरी के वाहन, अवैध वाहन एवं संदिग्ध लोगों की चेकिंग की गई। चेकिंग अभियान के दौरान पुलिसबल ऑनलाइन रहा। अभियान के दौरान थानाध्यक्ष पवन कुमार सिंह, चौकी प्रभारी वैभव गुप्ता, वरिष्ठ दीवान विवेक बाबू शुक्ला, कांस्टेबल सतेंद्र कुमार आदि स्टाफ मौजूद रहा। वहीं क्षेत्राधिकारी गौरव सिंह के नेतृत्व में पदैल मार्च भी निकाला गया ।

जवाहर सिंह गंगवार के द्वारा भगवान परशुराम के लिए की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में सर्व समाज के सैकड़ो लोग सड़क पर

क्यूँ न लिखूं सच - श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद- जवाहर सिंह गंगवार के द्वारा भगवान परशुराम के लिए की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में सर्व समाज के सैकड़ो लोग सड़क पर उतरकर फर्रुखाबाद से फतेहगढ़ तक जुलूस निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया जुलूस में भगवान परशुराम जिंदाबाद, जवाहर सिंह गंगवार के विरुद्ध कार्रवाई हो, भगवान परशुराम का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, आदि जोरदार नारे लगाते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी को ज्ञापन दिया, ज्ञापन में प्रमुख रूप से जवाहर सिंह गंगवार के विरुद्ध स्नह्वक्र दर्ज करके गिरफ्तारी की मांग की गई द्य दूसरी मांग सरकारी पीडब्ल्यूडी की जमीन को घेर कर बनाए गए मकान की जांच करवा कर इसको गिराया जाए और इसके विरुद्ध भूमिया का मुकदमा दर्ज किया जाए। फर्रुखाबाद विकास मांज का जिला अध्यक्ष भईयन मिश्रा ने कहा कि जवाहर सिंह गंगवार समाज विरोधी तत्व है और यह लगातार समाज में अपनी जहरीले जवान से समाज को काटने का प्रयास करता है ऐसे व्यक्ति समाज के लिए अभिशाप है ऐसे दिवालिया और मानसिक लोगों की जगह सिर्फ और सिर्फ जेल है इसलिए इस व्यक्ति को गिरफ्तार करके जेल भेजा जाए ताकि समाज में तनाव पैदा ना हो फर्रुखाबाद मेला संत समिति के अध्यक्ष जूना अखाड़ा के महंत सत्यगिरि जी महाराज ने कहां जवाहर सिंह गंगवार में भगवान परशुराम के लिए जो शब्द बोले हैं उसकी कोई माफी नहीं है जिससे पूरा हिंदू समाज बहुत आक्रोशित और आहत है, ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध कठोर कार्रवाई बहुत आवश्यक है ब्राह्मण समाज सेवा समिति के जिला महामंत्री लाला राम दुबे ने कहा ब्राह्मण समाज के धैर्य की परीक्षा प्रशासन न ले हम लोग जवाहर सिंह गंगवार के विरुद्ध करवाई चाहते हैं जो कि प्रशासन जल्द जल्द करें द्य निषाद सभा की जिला अध्यक्ष अनिल कश्यप ने कहा भगवान परशुराम हमारे भी आदर्श हैं और उनके विरुद्ध कोई भी अपपशब्द बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे द्य व्यापार मंडल युवा के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर श्रीवास्तव ने कहा जैसे व्यक्ति समाज से हमेशा हमेशा के लिए वहिष्कृत कर दिए जाएं और उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई हो द्य करणी सेवा के जिला अध्यक्ष मंथन सिंह गहरवार ने कहा कुछ लोगों की घटिया मानसिकता को खत्म करने के लिए बहुत आवश्यक है जवाहर सिंह गंगवार के विरुद्ध ऐसी कार्रवाई हो जो मिसाल बने द्य सभासद अनिल तिवारी ने कहा कि यदि जल्द कार्रवाई न हुई तो सर्व समाज सड़कों पर उतरकर भयंकर आंदोलन करेगा द्य सभासद कृष्ण मोहन शर्मा मोहन उर्फ नन्हे पंडित ने कहा जवाहर सिंह गंगवार किसी भी सूरत में इस समाज में रहने योग्य व्यक्ति नहीं है इसका मुंह काला किया जाना आवश्यक है द्य जिला अधिवक्ता बार संघ के मंत्री अनूप तिवारी ने कहा ऐसे व्यक्ति समाज के लिए बहुत घातक हैं जो समाज को बांटने का कार्य करते हैं इन लोगों को सावधान रहने की आवश्यकता है द्य सभासद नवनीत कनौजिया ने कहा सर्व समाज भगवान परशुराम को आदर्श मानता है और उनके विरुद्ध किसी भी प्रकार की कोई बात नहीं सुन सकता है द्य सभासद उमेश जाटव ने कहा बहुत जल्द से जल्द कार्रवाई होनी चाहिए द्य सभासद विश्वनाथ राजपूत ने कहा वह लोग देखने जो समाज को बांटने का कार्य करते हैं आज सर्व समाज एक साथ आकर भगवान परशुराम के दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहा है द्य सभापति महेश चंद्र अग्निहोत्री और बाबू ने कहा हम सभी एक हैं और एक रहेंगे कुछ लोग समाज को बांटने का प्रयास कर रहे हैं वह कभी सफल नहीं होंगे द्य आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मुनीष चंद्र मिश्रा पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष , प्रबल त्रिपाठी सभासद, निशु दुबे पूर्व सभासद, रामदास गुप्ता, कोमल पांडे, अभिषेक अग्निहोत्री और डब्बू पूर्व सभासद, अंकित तिवारी, नितिन गुप्ता, करणी सेवा के जिला महामंत्री प्रदीप सिंह राठौड़, युवा व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष विशाल दुबे,जेपी सिंह चौहान, सत्यपाल सिंह प्रकल्लभ, आकाश गुप्ता, आलोक मिश्रा उर्फ भूरे, हेमंत शाक्य पूर्व प्रधान, नीरज दीक्षित भाजपा नेता, प्रतीक दुबे, गोविंदा अवस्थी, मनोज दीक्षित, गौरव कुशवाहा प्रधान, राजीव वर्मा, डॉ पंकज राठौर, मृदुल चतुर्वेदी, राजेश मिश्रा राधे राधे, चंद्रप्रकाश मिश्रा, अनूप अग्निहोत्री प्रधान, अनिल द्विवेदी, के के द्विवेदी, राहुल चौहान, मनोज सिंह, कीर्ति वर्धन सिंह, सुधीर यादव प्रधान, अनुज मिश्रा एडवोकेट, प्रशांत मिश्रा एडवोकेट, बृजेश राठौर , आशीष गुप्ता, हिमांशु गुप्ता, आचार्य अमरीश जी महाराज, प्रदीप दुबे, लकी गुप्ता, रज्जू गुप्ता, श्यामेंद्र दुबे, मनोज अग्निहोत्री, सौरभ पांडे, मह्लू दीक्षित, राहुल शर्मा, सुरेश कश्यप, गोविंद बाथम, रोहन कश्यप, सत्यनारायण शाक्य, विवेक दीक्षित, राजा मिश्रा, अरुण दुबे उर्फ छुट्टन, नीलू पाल, अनूप सक्सेना, डॉ सुमित राठौर, शालू सक्सेना,, गौरी बाथम, कुलदीप अवस्थी उर्फ राणा पंकज दीक्षित, गौतम दुबे ,आकाश चतुर्वेदी, लव बाजपेई, अंकित गुप्ता, सूर्यांश तिवारी, सचिन अग्रवाल राहुल त्रिपाठी अखिलेश सिंह विनय राजपूत,उधान सिंह राजपूत, संजू शर्मा, सरल त्रिवेदी, संतोष बाजपेई, राम लखन अग्निहोत्री, अशोक मिश्रा, नीरज यादव, आचार्य गोविंद मिश्रा,सागर गुप्ता शाहिद सैकड़ो सर्व समाज के लोग उपस्थित हुए जिन्होंने परशुराम भगवान के लिए हर स्तर पर आंदोलन करने के लिए घोषणा की

NH-34 पर सवारियों से भरा टेंपो पुलिया में घुसा, महिला, पुरुष व बच्चों समेत 9 घायल

क्यूँ न लिखूं सच - लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ के थाना अकराबाद क्षेत्र के गोपी ह।-34 मध्य रात्रि बड़ा हादसा हो गया। करीब 2:00 बजे सवारियों से भरा एक टेंपो अनियंत्रित होकर पुलिया में जा घुसा। हादसे में टेंपो में सवार महिला, पुरुष और बच्चों समेत कुल 9 लोग घायल हो गए।सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल मलखान सिंह ले गई, जहां सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। दो गंभीर घायलों को मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।घायल बबलू पुत्र गुड्डू ने बताया कि वे परिवार सहित बदायूं में शादी समारोह में शामिल होकर अपने निजी टेंपो से गुड़गांव लौट रहे थे। रास्ते में गोपी के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया में जा घुसा, जिससे सभी लोग घायल हो गए।अस्पताल में मौजूद डॉक्टर गजेश प्रजापति ने जानकारी दी कि पुलिस द्वारा लाए गए घायलों को एंबुलेंस से लाया गया। सभी को प्राथमिक उपचार दिया गया है। वहीं, गंभीर रूप से घायल दो लोगों को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

जान देने बरौठा नहर पर पहुंची किशोरी को ग्रामीणों ने बचाया

क्यूँ न लिखूं सच - लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज मंगलवार की सुबह एक 16 वर्षीय किशोरी पिता की डांट से क्षुब्ध होकर जान देने के इरादे से बरौठा नहर पर पहुंच गई। नहर किनारे उसे गुमसुम बैठा देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस किशोरी को थाने ले गई इसके बाद उसके परिवार को बुलाकर उनके सुपुर्द कर दिया। हलका इंचार्ज मोहर सिंह ने बताया कि यह किशोरी लोधा थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी है। इंटरमीडिएट में पढ़ती है। की सुबह पिता ने किसी बात पर डांट दिया था, जिस पर क्षुब्ध होकर वह बरौठा नहर पुल पर पहुंच गई थी। ग्रामीणों की सतर्कता से उसे आत्मघाती कदम उठाने से पहले ही बचा लिया गया। हरदुआगंज क्षेत्र में ही. किशोरी की बुआ रहती है, इसलिए वह बरौठा नहर से पहले से परिचित थी।

उत्तरप्रदेश की बेटी सावी जैन बनी सीबीएसई टॉपर, बेटी ने 500 में से 499 अंक हासिल कर देश में पहला स्थान लिया

क्यूँ न लिखूं सच - राकेश गुप्ता

शामली। युद्ध के दौरान देश की दो बेटियों ने देश को सुरक्षा दिलाते हुए आतंकवाद का खात्मा किया वहीं दूसरी तरफ शिक्षा के क्षेत्र में भी बेटियां किसी से कम नहीं होतीं और ये साबित कर दिखाया है उत्तर प्रदेश के शामली जनपद की सावी जैन ने। सीबीएसई 12वीं की परीक्षा में देशभर में टॉप करने वाली सावी ने 500 में से 499 अंक हासिल कर नया कीर्तिमान रचा है। सावी का सपना है कि वह आगे चलकर सिविल सर्विसेज में जाएं और देश की सेवा करें। शामली के मोहल्ला शिव चौक की रहने वाली सावी स्कॉटिश इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा हैं। उनके पिता अंकित जैन फर्नीचर शोरूम चलाते हैं और माता कविता जैन एक साधारण गृहिणी हैं। सावी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को दिया है। उसने कहा कि जब भी उसे किसी विषय में कठिनाई होती थी, उसके माता-पिता और शिक्षक लगातार उसका मार्गदर्शन करते और मनोबल बढ़ाते थे। जैसे ही सावी के टॉप करने की खबर सामने आई, स्कूल में ढोल-नगाड़ों के साथ उसका भव्य स्वागत किया गया। स्कूल परिसर में खुशी का माहौल था और शिक्षक, छात्र व अभिभावक सभी गौरव महसूस कर रहे थे। सावी ने बताया कि उसने किसी कोचिंग का सहारा नहीं लिया, केवल एनसीईआरटी की किताबों से ही पढ़ाई की। उसकी दिनचर्या में निरंतरता, अनुशासन और आत्मविश्वास सबसे अहम रहा। पढ़ाई के दौरान जब भी उसे लगता कि वह कोई बात भूल रही है, तो वह तब तक दोहराती रहती जब तक पूरी तरह आत्मसात न हो जाए। छात्रों के लिए संदेश देते हुए सावी ने कहा कि निरंतर पढ़ाई और डाउट्स को क्लियर करना बहुत जरूरी है। परेशानियां आएंगी लेकिन हार नहीं माननी चाहिए। मेहनत और आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है। सावी की माता कविता जैन ने बताया कि उन्होंने कभी भी बेटी पर पढ़ाई का दबाव नहीं डाला। सावी खुद से ही पढ़ाई करती थी और देर रात तक पढ़ने की आदत थी। कविता जैन ने कहा कि जब बच्चों की मेहनत रंग लाती है तो माता-पिता के लिए इससे बड़ी खुशी कुछ नहीं होती। गौरतलब है कि सावी जैन ने 10वीं कक्षा में भी अपने स्कूल में टॉप किया था। अब एक बार फिर उन्होंने देशभर में पहला स्थान पाकर शामली जिले का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता उन सभी छात्रों के लिए प्रेरणा है, जो सादगी और लगन के बल पर ऊंचाइयों को छूना चाहते हैं।

कांधला थानाध्यक्ष कोर्ट के वारंटी को छोडा सी ओ की जांच में पाए गए दोषी पीड़ित ने डी एम से की कार्यवाही की मांग

क्यूँ न लिखूं सच - राकेश गुप्ता

शमली कांधला शामली के कांधला थाने में एक गंभीर मामला सामने आया है थानाध्यक्ष क्षितिज कुमार पर कोर्ट के वारंटी को जानबूझकर थाने से भागने का आरोप है ऐलम थाना चौकी इंचार्ज वारंटी को पड़कर थाना लाए थे इसके बाद थानाध्यक्ष क्षितिज कुमार उसे छोड दिया इस घटना से जुड़ी थानाध्यक्ष से जुडी ओडियो सामने आई हुई इस ऑडियो में वे खुद स्वीकार कर रहे हैं कि उन्होंने वारंटी को थाने से भगाया है मामला सामने आने के बाद एसपी राम सेवक गौतम ने जांच सी ओ कैराना को सौपी जाँच मे थानाध्यक्ष क्षितिज कुमार दोषी पाया गया सी ओ कैराना ने पुष्टि कि है एसपी ने यह जांच दोबरा सी ओ सिटी अमरदीप मौर्य को सौंप दी है इधर पीड़ित पक्ष कैराना सी ओ की जाँच रिपोर्ट और अन्य सबूतो के साथ जिला अधिकारी को माइल हैं उन्होंने दोषी थानाध्यक्ष के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है जिलाधिकारी ने ममले में कार्यवाही का अशवासन दिया है

विद्यार्थियों ने देश के वीर सैनिकों के लिए प्रधानमंत्री के माध्यम से भेजे भावनात्मक संदेशआईसीडीएस विभाग

क्यूँ न लिखूं सच - ब्यूरोचीफ

रिठौरा।ऑपरेशन सिंदूर' के वीर जवानों को विद्यार्थियों ने किया नमन पूरे देश की जनता इस समय ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही कर रहे हमारे वीर जवानों को हृदय से नमन कर रही है। यह अभियान न केवल भारत की सैन्य ताकत और संकल्प का प्रतीक है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व और प्रेरणा का स्रोत भी है।इसी भावना के तहत, पद्मावती सीनियर सेकेंड्री स्कूल, के विद्यार्थियों ने वीर सैनिकों के सम्मान में पोस्टर, धन्यवाद कार्ड एवं भावनात्मक पत्र तैयार किए और उन्हें जिलाधिकारी, के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचाने के लिए सौंपा विद्यालय की प्रधानाचार्या ममता सक्सेना के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं का एक प्रतिनिधिमंडल मंगलवार सुबह 10:30 बजे कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचा। बच्चों ने जब अपने हाथों से बनाए गए पोस्टर और पत्र सौंपे, तो माहौल भावुकता और गर्व से भर गया। ममता सक्सेना ने कहा - हमारा उद्देश्य केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में राष्ट्रीय चेतना, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। 'ऑपरेशन सिंदूर' हमारे देश की संप्रभुता और आत्मसम्मान की रक्षा का प्रतीक है, और हमें गर्व है कि हमारे बच्चे इस भावना से जुड़ पा रहे हैं प्रतिनिधिमंडल छात्र-छात्राएं त्वंशिका कुंडले, श्रेया शर्मा, दिव्यांशी कालकोरिया, अविकल्प, रागिनी, अयांश, काव्या सिंह, आरिफ एवं छवि।इन बच्चों ने अपने पत्रों में भावपूर्ण संदेशों के माध्यम से वीर जवानों और प्रधानमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया। आपका शौर्य हमारी शान है, और आपका बलिदान हमारा अभिमान जब आप सीमा पर डटे हैं, तब हम चैन से सोते हैं आपका हृदय से धन्यवाद। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि उन हजारों परिवारों के त्याग और धैर्य की कहानी है, जिन्होंने अपने लाल देश को समर्पित किए हैं। आज जब देश प्रगति के पथ पर अग्रसर है, हम उन सभी वीरों को धन्यवाद देते हैं

संक्षिप्त समाचार

ससुरालीजनों की ज्यादतियों से पीड़ित महिला ने लगाई न्याय की गुहार

क्यूँ न लिखूं सच - श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद- महिला को मारपीट कर बच्चों सहित घर से निकाला बाहर जबरन तलाकनामा लिखवाकर कराए हस्ताक्षर - महिला का आरोप दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ना का भी आरोप मिट्टी का तेल डालकर आग लगाने के प्रयास का आरोप बच्चों के लिए सहती रही यातनाएं - पीड़िता का बयान थाना पुलिस ने नहीं सुनी फरियाद, नहीं हुई कार्रवाईमहिला ने जिला अधिकारी से लगाई न्याय की गुहार थाना शमशाबाद क्षेत्र के कोटला गांव का मामला

राज्य कर की बकाया वसूली को लेकर जिलाधिकारी ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूं सच - आलोक नारायण

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में राज्य कर (वाणिज्य कर) विभाग की बकाया वसूली को लेकर समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित आरसी की वसूली में तेजी लाई जाए और शत-प्रतिशत वसूली सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जालौन, उरई, कालपी, कौंच व माधौगढ़ तहसीलों के उप जिलाधिकारियों व तहसीलदारों को निर्देशित किया कि सभी डिफॉल्टरों की जांच कर उनकी चल-अचल संपत्तियों को चिन्हित करते हुए कुर्की की कार्रवाई सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि समयबद्ध ढंग से कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, समस्त उपजिलाधिकारी, उपायुक्त राज्य कर अमित कुमार यादव आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जनकल्याणकारी योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश

क्यूँ न लिखूं सच - नीरज कुमार

जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड और जनपद में चल रही विकास योजनाओं की गहन समीक्षा की। बैठक में 15 विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के क्रियान्वयन में और अधिक सक्रियता लाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), फैमिली आईडी, वित्त आयोग योजनाएं (15वां और 5वां), राज्य योजना, निपुण परीक्षा आंकलन, मध्यान्ह भोजन व विद्यार्थियों की उपस्थिति, पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान, सेतु निर्माण, नई सड़कें, सड़क अनुरक्षण, ओडीओपी वित्त पोषण, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना और निर्माण कार्य (सीएमआईएस) जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि केंद्र और राज्य सरकार की इन महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि योजनाओं की धीमी प्रगति पर संबंधित विभागों से स्पष्टीकरण लिया जाएगा और 07 दिन में सुधार न होने पर आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद देव शर्मा, परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी, डीएसटीओ नीरज चौधरी आदि सहित सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एसएसपी की कार को टक्कर मारकर भागी रोडवेज बस सीज

क्यूँ न लिखूं सच - लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ रोरावर क्षेत्र में दोपहर खैर रोड पर नादा पुल के पास हाथरस डिपो की एक बस एसएसपी की कार में टक्कर मारकर निकल गई।

रोवावर पुलिस ने बस की सीज कर चालक का शांतिभंग में पाबंद कर दिया। दोपहर में एसएसपी पत्नी के साथ कार से खेरेश्वर मंदिर पूजा करने जा रहे थे। खैर बाईपास पर तेजी से निकली हाथरस डिपो की बस उनकी कार को खरोंच मारती हुई निकली। पुलिस स्टाफ के इशारा करने पर चालक ने बस को रोका भी नहीं। वह सीधे सारसौल बस स्टैंड पर पहुंच गया। सूचना पर रोरावर पुलिस बस को चालक थाने ले आई। एसएचओ रोरावर शिवकुमार गुप्ता के अनुसार वाहनों की भीड़ के बीच अनियंत्रित गति से गाड़ी चला रहा था।

दिनदहाड़े बाइक सवार को गोली मारी गई एसआरएन में भर्ती

मऊआइमा में लूट के बाद हत्या की कोशिश

क्यूँ न लिखूं सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। ब्लाक बाजार में परचून कारोबारी उमेश चन्द्र से एक लाख दस हजार की लूट का मामला अभी खुलासा नहीं हुआ था कि मंगलवार को दिनदहाड़े बाइक सवार युवक को गोली मार दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मरखामऊ नई बाजार स्थित मस्जिद के पास मंगलवार को ग्यारह बजे दिन में दो बाइक सवार बदमाशों ने फक्के उर्फ फखरे आलम 20 वर्ष पुत्र मोहम्मद इसरार ग्राम जद्दोपुर देल्हूपुर प्रतापगढ़ को गोली मारकर प्रतापगढ़ की ओर भाग गए। फक्के उर्फ फखरे आलम के पेट में गोली लगने से वह जमीन पर तड़पने लगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जख्मी फक्के उर्फ फखरे आलम को मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया जहां डाक्टरों ने रेफर कर दिया। जिसे एस आर एन में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि फक्के उर्फ फखरे आलम से पचीस दिन पूर्व अब्दुल हकीम से दिवैनी में जमीन को लेकर गोली चली थी। जिसमें फक्के उर्फ फखरे आलम को नामजद किया गया था। बताते हैं कि फक्के उर्फ फखरे आलम की क्षवि ठीक नहीं नहीं है वह अपराधी प्रवृत्ति का है। समाचार लिखे जाने तक मऊआइमा थाने में कोई तहरीर नहीं दी गई थी। एडीशनल डीसीपी गंगानगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है। मिलने पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

अधिवक्ताओं का शोषण बर्दाश्त नहीं: वामिक

बार एसोसिएशन सोरांव के समस्त पदाधिकारियों ने ली शपथ

क्यूँ न लिखूं सच

सोरांव।प्रयागराज- तहसील सोरांव बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को सम्पन्न हुआ चुनाव अधिकारी शशिकांत शुक्ला सहायक चुनाव अधिकारी गामा लाल यादव व एल्डर कमेटी के सदस्य जितेन्द्र श्रीवास्तव,जंग बहादुर पटेल, चंद्रिका शुक्ला,राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव,बाल कृष्ण श्रीवास्तव ने जीते हुए प्रत्याशियों को शपथ दिलाई अध्यक्ष वामिक एजाज फारूकी महामंत्री राजेश कुमार शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्य नारायण पाण्डे कोषाध्यक्ष राम अभिलाष यादव संयुक्त मंत्री प्रशासन आनन्द पटेल पुस्तकालय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार सहित अन्य पदों के पदाधिकारियों व सदस्यों को गोपनीयता की शपथ दिलाई गई उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्य विधिज्ञ परिषद उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष व सदस्य देवेन्द्र मिश्रा नगरहा ने किया जहां उन्होंने अधिवक्ताओं के हित की बात करते हुए बताया कि अधिवक्ता समाज एक ऐसा प्रहरी है जिस पर आम जनता को बहुत भरोसा होता है और न्याय की उम्मीद होती जिस पर अधिवक्ता अपना काम पूरी ईमानदारी और सक्रियता से करें जिस से आम जनता को न्याय मिल सके और अधिवक्ताओं पर भरोसा भी कायम रहे। मुख्य अतिथि के रूप में फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल उपस्थित रहे उन्होंने सोरांव तहसील को आदर्श तहसील बनाने की बात कहते हुए बार एसोसिएशन सोरांव को 20 लाख रुपए देने की घोषणा की, विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुई सोरांव विधायक गीता शास्त्री ने अपने वक्तव्य के दौरान बार एसोसिएशन सोरांव को 10 लाख रुपए देने की घोषणा की, विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्य ने अधिवक्ताओं के बीच अपनी बात रखते हुए बार एसोसिएशन सोरांव को 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।तथा सदस्य विधान परिषद मान सिंह यादव ने अधिवक्ताओं के हित की चर्चा करते हुए बार एसोसिएशन सोरांव को 10 लाख रुपए देने की घोषणा की।तथा पूर्व विधायक सोरांव सत्यवीर मुन्ना ने अधिवक्ताओं के संघर्षों पर चर्चा करते हुए कहा कि अधिवक्ता समाज आम जनता की आखिरी उम्मीद होती है, इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख सोरांव संदीप यादव,पूर्व ब्लाक प्रमुख सोरांव आलोक पाण्डे,पूर्व ब्लाक प्रमुख मऊआइमा सुधीर मौर्या,उपजिलाधिकारी न्यायायिक सोरांव ठाकुर प्रसाद,पूर्व अध्यक्ष केके मिश्रा एडवोकेट,राम चन्द्र यादव एडवोकेट, पूर्व महामंत्री राजीव कुमार ओझा एडवोकेट, बृज बहादुर यादव एडवोकेट,विनय पटेल एडवोकेट, पूर्व कोषाध्यक्ष रमा कांत कुशवाहा एडवोकेट,मोहम्मद अरमान एडवोकेट,मनोज यादव एडवोकेट,राजेश यादव एडवोकेट, फेराज उद्दीन एडवोकेट, जफर अहमद खान,धीरज यादव एडवोकेट,विवेक पटेल एडवोकेट,रणविजय उर्फ संजय एडवोकेट, मोहम्मद रिजवान सैफ खान एडवोकेट संतोष यादव एडवोकेट, आशिफ एडवोकेट,फैजान एडवोकेट,जय कुमार राजा पत्रकार,जुबैर अहमद एडवोकेट, अनिल मौर्य एडवोकेट,संजीव मौर्य एडवोकेट ,अतुल यादव एडवोकेट ,अनिल यादव एडवोकेट व सुरेश मौर्य एडवोकेट /पत्रकार सहित सैकड़ों अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

थाना को0नगर पुलिस द्वारा धारा 363/368 भादवि0 से सम्बन्धित अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूं सच -भूपेन्द्र तिवारी

बहराइच/पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध के रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर बहराइच के निर्देशन में आज दिनांक 13.05.2025 को उ0नि0 श्री अजेश कुमार व का0 शिवा, का0 अजीत कुमार वर्मा द्वारा मु0अ0सं0 54/2025 से सम्बन्धित अभियुक्त ओम प्रकाश पुत्र अशरफी निवासी असवा मोहम्मदपुर थाना मटेरा जनपद बहराइच को झिंगाहा घाट से गिरफ्तार किया गया । अन्य विधिक कार्यवाही प्रचलित हैं। अभियुक्त का नाम व पता – 1. ओम प्रकाश पुत्र अशरफी निवासी असवा मोहम्मदपुर थाना मटेरा जनपद बहराइच गिरफ्तारी टीम का विवरण 1. उ0नि0 श्री अजेश कुमार 2. आरक्षी शिवा 3. आरक्षी अजित कुमार वर्मा सविता मिश्रा

एस0ओ0जी0 यमुनानगर जोन व थाना शंकरगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा चोरी के 01 ट्रैक्टर के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूं सच

एस0ओ0जी0 यमुनानगर जोन व थाना शंकरगढ़ की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा आज दिनांक–13.05.2025 को मुखबिर की सूचना पर 02 अभियुक्त 1.जितेन्द्र राजपूत पुत्र दयाराम राजपूत नि0 गल्ला गोदाम के पास ग्राम कमासिन पोस्ट कमासिन थाना कमासिन जनपद बांदा व 2.दीपक रैदास पुत्र सुखराम रैदास निवासी बालाजी नगर कमासिन थाना कमासिन जनपद बांदा को पावर हाउस के सामने ग्राम शिवराजपुर थाना क्षेत्र शंकरगढ़ से गिरफ्तार किया गया ।कब्जे से चोरी का ट्रैक्टर महिन्द्रा 265 छ्ठ्ठ रंग लाल (बिना नंबर प्लेट का) बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0–056 धारा–303(2)/317(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया । नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है । पूछताछ का विवरण– पूछताछ पर अभियुक्तों उपरोक्त द्वारा बताया गया कि इस ट्रैक्टर (महिन्द्रा 265 छ्ठ्ठ रंग लाल) को हम लोगों ने मिलकर दिनांक–12.05.2025 को ग्राम कमासिन जनपद बांदा में एक घर के बाहर से चोरी किया था । हम दोनों लोग आज इसे बेचने प्रयागराज जा रहे थे कि आप लोगों ने पकड़ लिया । गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण– 1.जितेन्द्र राजपूत पुत्र दयाराम राजपूत नि0 गल्ला गोदाम के पास ग्राम कमासिन पोस्ट कमासिन थाना कमासिन जनपद बांदा, उम्र करीब 20 वर्ष । 2.दीपक रैदास पुत्र सुखराम रैदास निवासी बालाजी नगर कमासिन थाना कमासिन जन द बांदा, उम्र करीब 32 वर्ष ।

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में इम्पीरियल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के होनहारों का जलवा, हाईस्कूल में तस्मिया जफर और इंटर में मोहम्मद ज़ैद रहे टॉपर

क्यूँ न लिखूं सच

मऊआइमा। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024–25 के परिणामों में इम्पीरियल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त कर विद्यालय की प्रतिष्ठा को और भी ऊँचा कर दिया। हाईस्कूल में तस्मिया जफर ने 92 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि इंटरमीडिएट में मोहम्मद ज़ैद ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान हासिल किया। विद्यालय के अन्य प्रतिभाशाली छात्रों में सारा लतीफ अब्बासी ने 91त्न, अलीशा बानो ने 89त्न, मसरूर अहमद और स्मिता पटेल ने 88त्न, लक्ष्मी साहू और सादिया बानो ने 86त्न, अशिती केशरवानी ने 85.6त्न, हरीम फातिमा अब्बासी, काशिफा बानो और वर्फा अंसारी ने 85त्न अंक हासिल किए। मोहम्मद वली फैज़ ने 84.2त्न अंक प्राप्त कर टॉप टेन में अपनी जगह बनाई। इंटरमीडिएट स्तर पर भी छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राज करण और शमा कुरैशी ने 83त्न, वन्या केशरवानी ने 82त्न, सुमित पटेल ने 81.6त्न, रिया सोनी ने 81त्न, अमित कुमार दुबे ने 80.5त्न अंक प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त मोहम्मद सादिर, कंचन पटेल, आकांक्षा भारतीय और तहरीन फातिमा ने भी 80त्न अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया।विद्यालय के निदेशक इंजीनियर नूरुद्दीन सैफी, प्रधानाचार्य पी.एन. विल्सन, उप–प्रधानाचार्य उमेश राय, एडमिन हेड अब्दुल बासित तथा सीनियर कोऑर्डिनेटर कुलदीप सिंह ने सभी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही शिक्षकों और अभिभावकों के सहयोग की सराहना की।

तस्मिया जफर 92 प्रतिशत कक्षा दस

मोहम्मद जैद इन्टर मीडिएट 93 प्रतिशत

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ सनातन धर्मियों ने खोला मोर्चाअभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूं सच - श्याम जी कश्यप

जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश- बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ सनातन धर्मियों ने खोला मोर्चा बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष जवाहर सिंह गंगवार ने ब्राह्मणों के देवता भगवान परशुराम पर की थी अभद्र टिप्पणी जवाहर सिंह गंगवार ने समाजवादी पार्टी के धरना प्रदर्शन के दौरान भगवान परशुराम पर की थी अभद्र टिप्पणी ब्राह्मण समाज सहित सनातन धर्मियों ने पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ जिला अधिकारी को दो दिन में कार्रवाई करने का सौपा था ज्ञापन 12 दिन बीतने के बाद भी नहीं हुई कोई कार्रवाई सनातन धर्मियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर किया धरना प्रदर्शन जिला अधिकारी को ज्ञापन सौप कर एफआईआर दर्ज करने की उठाई मांग पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ नहीं हुए एफआईआर तो ब्राह्मण समाज सनातन धर्मियों के साथ धरना प्रदर्शन कर करेगा बड़ा आंदोलन फतेहगढ़ के कलेक्ट्रेट परिसर का मामला

संक्षिप्त समाचार

दिनदहाड़े बाइक सवार को गोली मारी गई एसआरएन में भर्ती, मऊआइमा में लूट के बाद हत्या की कोशिश

क्यूँ न लिखूं सच

मऊआइमा (प्रयागराज) मऊआइमा थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। ब्लाक बाजार में परचून कारोबारी उमेश चन्द्र से एक लाख दस हजार की लूट का मामला अभी खुलासा नहीं हुआ था कि मंगलवार को दिनदहाड़े बाइक सवार युवक को गोली मार दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम मरखामऊ नई बाजार स्थित मस्जिद के पास मंगलवार को ग्यारह बजे दिन में दो बाइक सवार बदमाशों ने फक्के उर्फ फखरे आलम 20 वर्ष पुत्र मोहम्मद इसरार ग्राम जद्दोपुर देल्हूपुर प्रतापगढ़ को गोली मारकर प्रतापगढ़ की ओर भाग गए। फक्के उर्फ फखरे आलम के पेट में गोली लगने से वह जमीन पर तड़पने लगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जख्मी फक्के उर्फ फखरे आलम को मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर लाया गया जहां डाक्टरों ने रेफर कर दिया। जिसे एस आर एन में भर्ती कराया गया है। बताया गया है कि फक्के उर्फ फखरे आलम से पचीस दिन पूर्व अब्दुल हकीम से दिवैनी में जमीन को लेकर गोली चली थी। जिसमें फक्के उर्फ फखरे आलम को नामजद किया गया था। बताते हैं कि फक्के उर्फ फखरे आलम की क्षवि ठीक नहीं नहीं है वह अपराधी प्रवृत्ति का है। समाचार लिखे जाने तक मऊआइमा थाने में कोई तहरीर नहीं दी गई थी। एडीशनल डीसीपी गंगानगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है। मिलने पर मुकदमा दर्ज कर लिया जाएगा।

बहराइच जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं।

क्यूँ न लिखूं सच -भूपेन्द्र तिवारी

बहराइच पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

3 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूं सच -भूपेन्द्र तिवारी

बहराइच/आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर–समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई–झगड़ा न करने तथा पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी–खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर पारिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी। समझौता कराने वाली टीम– 1. उ0नि0 रमाशंकर मिश्र 2. हे0का0 ओमप्रकाश मिश्रा 3. म0का0 गिरजावती यादव 4. म0का0 निशी त्रिवेदी 5. म0का0 छाया द्विवेदी 6. म0का0 अनन्या सिंह 7. म0का0 सविता मिश्रा

Rashmi suddenly gets shocked by the fear of war... The ongoing tension can have a serious effect on mental health

These days, you must be wondering whether we are heading towards a war? What will happen if a war happens? How far will we go back? And many other questions. Such feelings and questions are quite normal. But we also health. The ongoing tension between situation. On the one hand, there is a fight a decisive war with Pakistan, and at in a war, not only of the enemy but also of are heading towards a war? What will many other questions. Such feelings and that it does not start harming our mental people about war anxiety. All kinds of stress-anxiety and the risk of many other mind… For 10-year-old Rashmi (name beginning of this month. However, the seems that we are moving towards war, broken by the thought of imminent session in her school and then she heard 'Pakistan will attack us' and everyone will media, thinking about which Rashmi gets this, such problems can also happen to

need to take care that it does not start harming our mental India and Pakistan has created a strange uncomfortable feeling to teach a tough lesson to the terrorist country and to the same time there is a fear that a lot of destruction happens our own.These days, you must be wondering whether we happen if a war happens? How far will we go back? And questions are quite normal. But we also need to take care health. Mental health experts have already been alerting questions related to war and its overthinking can lead to health problems. Worry and fear of war are dominating the changed), Pakistan was just the name of a country until the kind of situation that has developed in the recent days and it now she gets shocked with every knock on the door and is destruction. It all started when there was an awareness some things from her friends in the class. She says that die. She has seen some videos of nuclear explosions on social upset. However, Rashmi is not the only one who thinks like children, youth and elders in your house and nearby areas. Problem of stress-anxiety in adverse circumstances Dr Ravindra Asthana, a clinical psychologist in a private hospital in Pune, says, constant discussion of a possible war can trigger stress-anxiety in people, even those living away from conflict areas have been seen to be at risk. Continuous 24/7 media coverage, social media exposure and emotionally affecting content can affect the brain's stress controlling mechanism. Questions related to war like how far will it go, who will be affected and what will be its long-term consequences? Can be harmful to your mental health in the long term. Dr Ravindra says, youth and adults can still understand the circumstances, but this fear can seriously affect the minds of children. Here parents have a special role to play. Assure children of safety and encourage open dialogue rather than looking at misinformation online. Threat and concerns of war It is common to be concerned about the threat of war, but being prepared for any unpleasant outcome can also cause anxiety. As a side effect, not only can you have stress-anxiety problems now, but this trauma can continue to affect you for years. After all the wars around the world, the problem of post-traumatic stress disorder has been seen in people for a long time, which can sometimes increase the risk of depression. What is the suggestion - Health experts say that the current era is challenging for mental health, so we have to create our own balance. It is difficult to remain calm and composed, especially when most of the people around you are coming from a frenzied environment induced by anxiety and fear. In such circumstances, turn yourself towards positive thoughts. People were advised to meditate even for a few minutes a day, listen and watch good and positive things to help deal with fear and worries. Stay away from social media and only trust information from reliable sources. Mental health should be taken seriously by people of all ages.

Dehydration increases the risk of UTI in summer, these special precautions should be taken

People often suffer from UTI problems during the summer season. Generally, UTI problems are caused by dehydration. Let us know in this article what are the symptoms of UTI and what precautions should be taken to avoid it in summer season. Dehydration causes infection) problems are also seen. getting up and sitting. According to the risk of bacteria growing in the bladder, problems, then it can also affect the summer days, you can stay away from article.Problem can increase due to due to sweat. If it is not replenished, then of bacteria growing in the bladder, which especially due to the structure of the caffeinated beverages, and uncleanliness the early symptoms of UTI so that pain while urinating Frequent urge to some cases, fatigue and weakness can also

summer? It is very common to have dehydration problems during the fatigue and weakness in the body, sometimes UTI (urinary tract Sometimes this problem becomes so serious that there is difficulty in experts, not drinking enough water in the summer season increases which can cause UTI problems. If someone is having frequent UTI kidneys. The good thing is that by taking some precautions during the this serious problem. Let us know about this in detail in this dehydration. In summers, water is rapidly released from the body a situation of dehydration can occur. Dehydration increases the risk becomes the main cause of UTI. This problem is seen more in women urethra. Not drinking enough water, excessive consumption of also increase this risk.How to identify it? It is important to recognize treatment can be started in time. Its main symptoms are- Burning or urinate Dark color of urine Pain in the lower abdomen Mild fever In be felt What to do if symptoms of UTI appear? If you feel symptoms of UTI, first of all increase the intake of water. Drink at least 2.5 to 3 liters of water throughout the day. Drinking enough water can flush out the bacteria accumulated in the bladder. Apart from this, consult a urologist or general physician without delay. What to do to avoid the risk of UTI? It is important to take some precautions to prevent UTI. First of all, make it a habit to drink at least 2.5 to 3 liters of water throughout the day. Include hydrating beverages like lemonade, coconut water, and fruit juice in your diet in summer. Take special care of personal hygiene. Wear cotton undergarments and avoid tight clothes. Apart from this, urinate once every three hours. People who have diabetes are at higher risk of UTI, such people should be more careful.

Tea water removes many hair problems, know how to use it

Yes, even if it sounds strange to you, but it is true that you can get rid of many hair problems with tea water. Here we are going to give you information about this. Due to the deteriorating lifestyle of today, people's health is getting affected a to that the hair is also getting spoiled to a great extent. care of the hair. Due to this, we will tell you about good to a great extent. Here we are talking about article, we will not only tell you how to use tea water, your hair also becomes long, thick and shiny. Apply your hair, then apply it directly to your hair. For it boils completely, let the water cool down for a while you do not have to shampoo your hair, so wash your the hair, wash the hair with plain water only. Mix it you can also use a mixture of tea water and lemon minutes. When it cools down, add lemon juice to it washed hair. Leave it like this for 5 minutes and then are the benefits? Now know what benefits you can

lot. Due to which not only the skin is getting damaged, but due In such a situation, it becomes very important to take proper one such thing here, after using which the hair will become tea water, which you can use to take care of your hair. In this but will also give information about the benefits of it. So that directly If you do not have much time to apply tea water to this, put tea leaves in water and boil it for 5–10 minutes. When and then apply it to the hair. Keep in mind that after using it, hair with shampoo beforehand. After applying tea water to with lemon juice If there is a lot of dandruff in the hair, then juice. For this, first of all put tea leaves in water and boil for ten and mix it. After this, apply this mixture thoroughly on the wash the hair. You can use this mixture twice every week. What get by using tea water in your hair. By using it regularly, the color of your hair remains naturally black and you do not need any kind of dye. Along with this, the caffeine present in tea strengthens the hair roots, due to which hair fall automatically reduces. The anti-fungal properties found in it clean the scalp, due to which itching and dandruff are eliminated. So, without wasting any time, use tea water in your hair.

This superstar joins the team of 'RRR' in London, will be a part of the live show of Royal Albert Hall

Junior NTR and Ram Charan's blockbuster film 'RRR' is going to have a live concert in London. Now for this special achievement, another superstar has also entered the team of the film.

Know who is this superstar. Three years have passed since the release of veteran director SS Rajamouli's superhit film 'RRR'. But the achievements of the film are still increasing. Now another link is going to be added to the achievement of RRR. Rajamouli's 'RRR' will now be shown at the prestigious Royal Albert Hall in London. The film will be screened live here. For this, the team of RRR has left for London. But now another superstar has entered this team. The most special thing is that this superstar is not even a part of this film. Mahesh Babu joins the team - Oscar-winning composer MM Keeravani, who composed the song 'Natu-Natu' from RRR, will present the soundtrack of 'RRR' live with the Royal Philharmonic Orchestra at the Royal Albert Hall in London tonight. Now the latest update is that superstar Mahesh Babu will also be present in London with the team of RRR during this time and will take part in this concert. Mahesh Babu will join the lead actors of the film, Jr NTR and Ram Charan and director Rajamouli along with other team to watch this historic event in London. Obviously, Mahesh Babu is not a part of RRR. Mahesh Babu will be seen in Rajamouli's 'SSMB 29' - Mahesh Babu will be seen in SS Rajamouli's next much-awaited film 'SSMB 29'. Currently the shooting of the film is going on. Recently the film was shot in Hyderabad and Odisha. Now the next main schedule is set to be held in Hyderabad and another location. However, the information about this location has not been revealed yet. Mahesh Babu is working with SS Rajamouli for the first time in 'SSMB 29'. Apart from Mahesh Babu, Prithviraj Sukumaran and Priyanka Chopra will also be seen in lead roles in this film.

Sunita Ahuja broke silence on her relationship with Govinda, said- 'For some mad woman…'

Bollywood actor Govinda's wife Sunita Ahuja has once again reacted to the divorce rumors. Sunita has spoken openly about her and Govinda's relationship. He will never leave for some mad woman because we cannot live without each other at all. I am sure that God will not let my house break.' This is the statement of Bollywood actor Govinda's wife Sunita Ahuja, who has now told the truth about the divorce rumors. Sunita has now come forward and put an end to the divorce news. Reaction to divorce rumors In an interview given to Zoom, Sunita told about many aspects related to her life. During this, when she was asked about the divorce rumors that have been flying for a long time, she spoke frankly and said in clear words that nothing like this is happening between her and Govinda. She said, 'If something like this ever happens, I or Govinda will be the first to tell the media. I don't understand why people believe in rumors without confirmation.'We can't live without each other' Talking further, Sunita said, 'Govinda and I can't live without each other. Govinda can never decide to leave his family and neither will he do so for a 'mad woman'.' Her statement is becoming increasingly viral on social media and different reactions of fans are being seen. Sunita Ahuja challenged Sunita bluntly said that instead of running after rumors, people should come directly and ask the truth. She challenged, 'Whoever has the courage, should come and ask me in front of me. It is not right to blindly believe rumors. Whenever something is true, I will come forward and tell everyone. But I am completely confident that God will not let my home break.'The love story of Govinda and Sunita The love story of Govinda and Sunita is no less than a film script. The two met for the first time when Govinda was in college and Sunita was in school. Sunita lived in her sister's house, who was Govinda's maternal uncle's wife. Initially, the two did not get along but with time this relationship turned into love. They got married in the year 1986, but considering Govinda's image and career in the industry, this marriage was kept hidden for many years.

The explosive trailer of 'Ace' has been released, Vijay Sethupathi's film is full of action, romance and thriller

The explosive trailer of Vijay Sethupathi's film 'Ace' has been released, in which action to thriller, romance and drama were seen. Know when the film will be released... The trailer of Vijay Sethupathi's upcoming Tamil action film 'Ace' has been released today. The film is directed by Arumugakumar. The filmmakers have released the trailer of the film today on May 11, which has made Vijay's fans very happy and excited. The trailer of Ace was full of action, romance, thriller and drama in the trailer of Ace. The trailer of Ace begins with Vijay's character landing in Malaysia, where he erases all traces of his past. He is now known by the name "Bold" Kannan. Soon, he mixes with Yogi Babu and meets Rukmini Vasantha. After this, Kannan is seen involved in a secret mission. As the trailer comes close to ending, Kannan is shown holding a hand-drawn sketch. Yogi Babu jokingly says that it looks like Sivakarthikeyan. Filmmakers' Instagram post - After the trailer of Vijay Sethupathi's film 'Ace', fans are now eagerly waiting for its release. The filmmakers wrote in the caption with the trailer release of the film, 'The high-octane crazy trailer of The Ultimate Showdown Arambam ACE is now out.' The film will be released on May 23. Apart from Vijay Sethupathi, Yogi Babu, Rukmini Vasantha, Divya Pillai and Bablu Prithviraj, BS Avinash, Nagulan, Jaharinaris, Muthu Kumar, Raj Kumar, Denes Kumar, Karthik Jai have played important roles in the film (Ace). The film is produced and directed by Arumugakumar under the banner of 7CS Entertainment Pvt Ltd. The music of the film is given by Justin Prabhakaran. Netizens' reaction on the trailer of 'Ace' on YouTube Within four hours, the film Ace has been viewed by more than 6 lakh people on YouTube so far. At the same time, netizens are constantly sharing their opinion about Vijay's film 'Ace'. One user wrote, 'VJS SK bond', another user wrote, 'Vijay Sethupathi and SK combo super, very good', another user wrote, 'It's good to see the bonding between the next generation heroes and we like both SK and VJ', another user wrote, 'Ace movie trailer sema confirms another blockbuster for VJS', another user wrote, 'Wow interesting trailer VJS SK bond.'